श्रावण शुक्ल - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 4 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 26-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जदयू-भाजपा तेजस्वी की 'हत्या' की साजिश रच रहे : राबड़ी देवी

6 देश के वीर सैनिकों के बलिदान की तुलना में हम कहां हैं?

7 साउथ की फिल्मों के सेट पर अनुशासन देखने को मिलता है : पायल घोष

फर्स्ट टेक

प्रज्वल रेवन्ना की दूसरी जमानत याचिका खारिज

बेंगलूरु/भाषा। विशेष जनप्रतिनिधि अदालत ने शुक्रवार को जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना द्वारा उनके खिलाफ दर्ज बलात्कार के मामलों में से एक के संबंध में दायर दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने रेवन्ना की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने मुकदमे की कार्यवाही में देरी का हवाला देते हुए राहत का अनुरोध किया था। इससे पहले निचली अदालत से जमानत नहीं मिलने के बाद यह उनका दूसरा प्रयास था। रेवन्ना ने हाल ही में जमानत के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया था। हालांकि, नौ जुलाई को न्यायमूर्ति एस.आर. कृष्ण कुमार ने उन्हें निचली अदालत में जाने की सलाह दी।

अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना ने सीरिया में आईएस के एक वरिष्ठ नेता को मार गिराया

दमिश्क/एपी। उत्तर-पश्चिमी सीरिया में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना ने शुक्रवार को छापा मारकर आतंकवादी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' (आईएस) के एक वरिष्ठ नेता को मार गिराया। अमेरिकी सेना ने यह जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि उसने शुक्रवार तड़के सीरिया के अलेप्पो प्रांत के अल-बाब शहर में एक हमले के दौरान आईएस नेता धिया जौबा मुस्लीह अल-हरदान और उसके दो वयस्क बेटों को मार गिराया, जो इस समूह से जुड़े थे। इसने कहा कि ये लोग अमेरिका और गठबंधन सेनाओं के साथ-साथ नई सीरियाई सरकार के लिए भी खतरा थे।

पाकिस्तान से आए 185 शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई

राजकोट/भाषा। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में रह रहे पाकिस्तान के 185 शरणार्थियों को शुक्रवार को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। राज्य के कच्छ, मोरबी और राजकोट जिलों में रहने वाले इन शरणार्थियों को एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय नागरिकता प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी भी शामिल हुए। सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित इन 185 लोगों को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत नागरिकता प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि पाकिस्तान में हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध जैसे अल्पसंख्यक समुदायों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, वे कल्पना से परे हैं।

26-07-2025 सूर्यास्त 6:37 बजे | 27-07-2025 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE 81,463.09 (-721.08) | NSE 24,837.00 (-225.10)

सोना 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फितरत हमारी

कितने ही कानून बना दो,
हम धाराएं तोड़ेंगे।
चाहे भर देंगे जुर्माना,
या ले-दे के छोड़ेंगे।
किनकी जेबें होगी भारी,
किनके बाल झिंझोड़ेंगे।
सिस्टम के नाकारापन पर,
सिर्फ ठीकरा फोड़ेंगे।।

भारत-मालदीव संबंधों की जड़ें सागर जितनी गहरी : प्रधानमंत्री

भारत ने मालदीव के लिए 4,850 करोड़ रुपए की ऋण सुविधा देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माले/भाषा। भारत ने शुक्रवार को मालदीव के लिए 4,850 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा देने की घोषणा की और जल्द ही एक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को मालदीव का ''सबसे भरोसेमंद'' मित्र होने पर गर्व है।

छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए

दो दिवसीय यात्रा पर माले पहुंचने के कुछ घंटों बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू के साथ व्यापार, रक्षा और समुद्री सुरक्षा समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए व्यापक वार्ता की। दोनों पक्षों ने मत्स्य पालन और कृषि, मौसम विज्ञान, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, यूपीआई, भारतीय फार्माकोपिया और द्वीप राष्ट्र को भारत की रियायती ऋण सुविधा के क्षेत्र में छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, ''हमारे लिए सदैव मित्रता सर्वप्रथम है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे संबंधों की जड़ें इतिहास से भी पुरानी हैं तथा सागर जितनी गहरी हैं।''

द्विपक्षीय संबंधों में यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चीन के करीबी माने जाने वाले मुइज्ज़ू नवंबर 2023 में ''इंडिया आउट'' अभियान के बल पर द्वीपीय राष्ट्र की सत्ता में आए हैं। प्रधानमंत्री ने संबंधों के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत-मालदीव मित्रता किसी भी परिस्थिति में हमेशा ''उज्ज्वल और स्पष्ट'' बनी रहेगी।

मालदीव के रक्षा मंत्रालय भवन का उद्घाटन

माले/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू ने शुक्रवार को माले में मालदीव के रक्षा मंत्रालय की अत्याधुनिक नई इमारत का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के उपयोग के लिए 72 वाहन और उपकरण भी सौंपे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रक्षा मंत्रालय का भवन विश्वास की ठोस इमारत है और यह हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा, भारत मालदीव को उसकी रक्षा क्षमताओं के विकास में सहयोग देना जारी रखेगा। हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि हमारा साझा लक्ष्य है।

'अश्लील' सामग्री परोसने के कारण

अल्ट, उल्लू समेत 25 ओटीटी ऐप पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने अश्लील, अभद्र और कुछ मामलों में पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित करने के कारण उल्लू, अल्ट और देसीफ्लिक्स सहित 25 ओटीटी मंचों की वेबसाइटों और ऐप को बंद करने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न कानूनों का उल्लंघन करते पाए गए विभिन्न ऐप में अल्ट, उल्लू, बिग शॉट्स ऐप, डेसिफ्लिक्स, बूमेक्स, नवरस लाइट, गुलाब ऐप, कंगन ऐप, बुल ऐप, जलवा ऐप, शोहिट, वाउ एंटरटेनमेंट, लुक एंटरटेनमेंट, हिटप्राइम, फेनेओ, शोएक्स, सोल टॉकीज, अड्डा टीवी, हॉटएक्स वीआईपी, हलचल ऐप, मूडएक्स, नियोनएक्स वीआईपी, फूगी, मोजफ्लिक्स और ट्राइफ्लिक्स शामिल हैं।

उदयपुर फाइल्स :

केंद्र की मंजूरी के विरुद्ध उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का दिया गया निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया कि वह फिल्म 'उदयपुर फाइल्स – कन्हैया लाल टेलर मर्डर' की रिलीज को लेकर केंद्र सरकार की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 28 जुलाई को सुनवाई करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने कहा कि फिल्म रिलीज पर रोक लगाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली फिल्म निर्माताओं की अपील निरर्थक है, क्योंकि उन्होंने केंद्र के 21 जुलाई के आदेश को स्वीकार कर लिया है जिसमें छह जगह दृश्यों को हटाने का सुझाव देने समेत 'डिस्क्लेमर' (अस्वीकरण) में संशोधन के साथ रिलीज को मंजूरी दी गई थी।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद को केंद्र के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय जाने का आदेश दिया गया।

एक संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, फिल्म निर्माताओं की ओर से पेश हुए वकील सैयद रिजवान ने कहा कि मदनी और जावेद का यह दावा कि फिल्म में एक खास समुदाय को निशाना बनाया गया है और देश के सामाजिक ताने-बाने को खतरा है, ''उनकी कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''जब 'कश्मीर फाइल्स' रिलीज हुई, केरल स्टोरी रिलीज हुई, तब कुछ नहीं हुआ। जब पहलगाम हमला हुआ, जब पुलवामा आतंकी हमला हुआ, तब देश का सामाजिक ताना-बाना प्रभावित नहीं हुआ। हमारे देश का सामाजिक ताना-बाना कहीं अधिक मजबूत है।''

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी : सीडीएस

सेना को चौबीस घंटे व पूरे वर्ष बहुत उच्च स्तर की तैयारी रखनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और देश को चौबीस घंटे व पूरे वर्ष बहुत उच्च स्तर की सैन्य तैयारी रखनी चाहिए।

यहां सुब्रतो पार्क में आयोजित रक्षा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में सेना को सूचना योद्धाओं, प्रौद्योगिकी योद्धाओं और विद्वान योद्धाओं की भी जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि युद्ध के इस परिदृश्य में, भावी सैनिकों को सूचना, प्रौद्योगिकी और शिक्षा के मामले में अग्रणी होना होगा।

'नंबर 4 वॉरफेयर एंड एयरोस्पेस स्ट्रेटेजी प्रोग्राम' के तत्वावधान में 'एयरोस्पेस पावर : प्रिजर्विंग इंडियाज सोवरेनिटी एंड फर्दरिंग नेशनल इंट्रस्ट्स' (हवाई शक्ति: भारत की संप्रभुता की सुरक्षा एवं राष्ट्रीय हितों को बढ़ाना) विषय पर यह सेमिनार आयोजित किया गया था।

सीडीएस ने कहा कि युद्ध में कोई भी उपविजेता नहीं होता और किसी भी सेना को लगातार सतर्क रहते हुए उच्च स्तर की अभियानगत तैयारी रखनी चाहिए। जनरल चौहान ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उदाहरण है, जो अब भी जारी है। हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए, चौबीस घंटे, 365 दिन।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने सात मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू करके पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के कई ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था।

पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ आक्रामक अभियान शुरू किया और उसके हमलों का जवाब भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत ही दिया गया। दस मई की शाम को सहमति बनने के बाद दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच सैन्य संघर्ष रुक गया।

सीडीएस ने शस्त्र और शास्त्र दोनों के बारे में सीखने के महत्व पर भी जोर दिया।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने का प्रस्ताव लोस में लाया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। भ्रष्टाचार के एक संदिग्ध मामले में आरोप का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष का एक संयुक्त प्रस्ताव लोकसभा में लाया जाएगा क्योंकि राज्यसभा में इसी तरह के प्रस्ताव के लिए विपक्षी दलों का नोटिस विचारार्थ स्वीकार नहीं किया गया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार के मामले में, एकजुट होकर आगे बढ़ने का सभी राजनीतिक दलों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा इस प्रस्ताव पर विचार करेगी, जिस पर सत्तारूढ़ गठबंधन (राजग) और विपक्ष के 152 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा में इसी तरह के प्रस्ताव के लिए विपक्ष के नोटिस को उच्च सदन में विचारार्थ स्वीकार नहीं किया गया।

डीआरडीओ ने ड्रोन से दागे जाने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ड्रोन से दागी जाने वाली एक मिसाइल का आंध्र प्रदेश में एक परीक्षण स्थल पर सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि यह परीक्षण कुरनूल में किया गया।

सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''भारत की रक्षा क्षमताओं को एक बड़ी मजबूती देते हुए, डीआरडीओ ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित नेशनल ओपन एरिया रेंज (एनओएआर) में मानवरहित यान से दागे जाने वाली सटीक मारक क्षमता वाली मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 का सफल परीक्षण किया।'' यह मिसाइल पहले डीआरडीओ द्वारा विकसित यूएलपीजीएम-वी2 का उन्नत संस्करण है।

यह मिसाइल विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को भेद सकती है। इसे मैदानी इलाकों और ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों दोनों में इस्तेमाल किया जा सकता है।

बिहार में एसआईआर का पहला चरण पूरा,

35 लाख मतदाता पलायन कर गए या पता नही लगा : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का पहला चरण शुक्रवार को समाप्त हो गया।

निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण की पहले चरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बताया कि उसके स्थानीय चुनावी तंत्र ने रिपोर्ट दी है कि लगभग 35 लाख मतदाता या तो स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं या 24 जून के बाद से उनका पता नहीं चल सका है।

इस वर्ष के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में राज्य में मतदाताओं की संख्या लगभग 7.90 करोड़ है।

आयोग के मुताबिक, बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और राजनीतिक दलों के बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) ने लगभग 22 लाख मृत मतदाताओं के नामों की सूचना दी है। इसके अलावा, लगभग सात लाख मतदाता एक से ज्यादा स्थानों पर पंजीकृत पाए गए।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि लगभग 1.2 लाख मतदाताओं के गणना फार्म अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं।

आयोग ने बताया कि अब तक बिहार के 99.8 प्रतिशत मतदाता इस प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं और 7.23 करोड़ मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं और उन्हें डिजिटल स्वरूप दिया जा चुका है।

हिजबुल प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन यूएपीए के तहत भगोड़ा घोषित

श्रीनगर/भाषा। एक एनआईए अदालत ने यहां शुक्रवार को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन को यूएपीए अधिनियम के तहत भगोड़ा घोषित किया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अधिनियम के तहत श्रीनगर स्थित विशेष अदालत ने बडगाम के सोइबुग निवासी शाह को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और रणबीर दंड संहिता के तहत गंभीर आरोपों के संबंध में पेश होने का आदेश जारी किया।

राष्ट्रपति पद पर तीन साल

राष्ट्र की प्रगति से सबको जोड़ने का करती हूं प्रयास : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे करने पर कहा कि वह हमेशा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचितों और पिछड़े वर्गों को देश की विकास यात्रा से प्रभावी ढंग से जोड़ने का प्रयास करती हैं।

कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विभिन्न पहलों को शुरू करने के मौके पर अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रपति भवन दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुलभ हो गया है।

मुर्मू (67) ने 25 जुलाई 2022 को 15वें राष्ट्रपति के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। इसके साथ ही वह देश की आदिवासी राष्ट्राध्यक्ष बन गयी थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह संतोष की बात है कि पिछले तीन वर्षों में कई ऐसे निर्णय लिए गए और कार्य किए गए जिनसे नागरिकों का राष्ट्रपति भवन से जुड़ाव बढ़ा है।

उन्होंने कहा, ''हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचितों और पिछड़े वर्गों को देश की विकास यात्रा से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए।''

मुर्मू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 'राष्ट्रपति संपदा' दिव्यांगजन-अनुकूल संपदा बन गई है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में कई नई पहल की जाएंगी।

मुर्मू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान की 50 सूत्री सिफारिशों पर कार्यान्वयन के बाद राष्ट्रपति भवन, अमृत उद्यान और राष्ट्रपति भवन संग्रहालय दिव्यांगजन अनुकूल परिसर बन गए हैं।

मुर्मू ने मार्च 2027 तक राष्ट्रपति भवन को 'नेट जीरो' बनाने की पहल की शुरुआत की। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट अब 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं।

इजराइल हमास के साथ युद्धविराम वार्ता के विकल्पों पर विचार कर रहा : नेतन्याहू

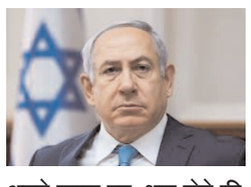

काहिरा/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार हमास के साथ युद्ध विराम वार्ता के लिए ''वैकल्पिक विकल्पों'' पर विचार कर रही है।

इससे पहले इजराइल और अमेरिका ने अपनी वार्ता टीम वापस बुला लिये थे, जिससे वार्ता का भविष्य और अधिक अनिश्चितता में पड़ गया है।

नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय आया है जब हमास के एक अधिकारी ने कहा है कि वार्ता अगले सप्ताह पुनः शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने इजराइल और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों को वापस बुलाने को दबाव की रणनीति बताया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि समझौते के प्रस्तावों पर हमास की ताजा प्रतिक्रिया युद्धविराम समझौते के प्रति 'अनिच्छा' को दर्शाती है। इसके बाद अमेरिकी टीम बृहस्पतिवार को कतर से रवाना हुई। विटकॉफ ने विस्तार से कुछ नहीं बताया और कहा कि अमेरिका ''वैकल्पिक विकल्पों'' पर विचार करेगा। इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में नेतन्याहू ने विटकॉफ की बात दोहराते हुए कहा, ''हमास बंधक रिहाई समझौते में बाधा है।''

थाईलैंड ने कंबोडिया पर हवाई हमले शुरू किए

सुरिन (थाईलैंड)/एपी। थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों के बीच सीमा पर बृहस्पतिवार को झड़प हुई और दोनों ओर से छोटे हथियारों, तोप और रॉकेट से हमले किए गए जबकि थाईलैंड ने हवाई हमले भी किए। दोनों देशों के बीच झड़प में कम से कम 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें अधिकतर आम नागरिक हैं।

थाईलैंड के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी के अनुसार, बृहस्पतिवार को कम से कम छह इलाकों में झड़प हुई। इससे एक दिन पहले ही सीमा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में थाईलैंड के पांच सैनिक घायल हो गए थे और थाईलैंड ने कंबोडिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था तथा थाईलैंड में कंबोडिया के राजदूत को देश से निष्कासित कर दिया था। ओड्डार मींचे प्रांत में कंबोडिया के मुख्य अधिकारी जनरल खोव ली ने शुक्रवार को कहा कि प्राचीन ता मुएन थॉम मंदिर के पास सुबह-सुबह फिर से झड़पें शुरू हो गईं। सीमा के पास 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के पत्रकारों को सुबह में धमाकों की आवाज सुनाई दी।

अधिकारी ने यह भी कहा कि बृहस्पतिवार को हुई झड़प में कम से कम चार आम नागरिक घायल हुए हैं और सीमा से लगे गांवों से 4,000 से ज्यादा लोगों को विस्थापित होना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि विस्थापित होने वाले नागरिकों को आश्रय केंद्रों में भेजा गया है।

यह पहली बार है जब कंबोडिया ने लोगों के हताहत होने के बारे में जानकारी दी है।

शैक्षिक संस्थानों में आत्महत्याओं से निपटने के लिए शीर्ष अदालत ने देशव्यापी दिशानिर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में बढ़ोतरी को रेखांकित करते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस समस्या से निपटने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश जारी किए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि शैक्षिक संस्थानों, कोचिंग संस्थानों और छात्र-केंद्रित वातावरण में विद्यार्थियों की आत्महत्या पर रोकथाम के लिए एक एकीकृत, लागू करने योग्य ढांचे के संबंध में देश में 'विधायी और नियामक शून्यता' बनी हुई है।

पंद्रह दिशानिर्देश जारी करते हुए पीठ ने कहा कि ये उपाय तब तक लागू और बाध्यकारी बने रहेंगे, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त कानून या नियामक ढांचा नहीं बनाया जाता।

सभी शैक्षिक संस्थानों को 'उम्मीद' मसौदा दिशानिर्देशों, 'मनोदर्पण' पहल और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति से प्रेरणा लेते हुए एक समान मानसिक स्वास्थ्य नीति अपनाने और लागू करने का निर्देश दिया गया।

पीठ ने कहा, ''इस नीति की वार्षिक समीक्षा की जाएगी और इसे अद्यतन किया जाएगा। इसे संस्थाओं की वेबसाइटों और संस्थानों के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।'' शीर्ष अदालत ने इस स्थिति में कमी लाने के लिए केंद्र के निवारक कदमों पर प्रकाश डाला, जिसमें 'उम्मीद' (अंडरस्टैंड, मोटिवेट, मैनेज, इंपैथाइज, एंपावर और विकसित करना) मसौदा दिशानिर्देश शामिल है, जिसे शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2023 में जारी किया गया था। इसका

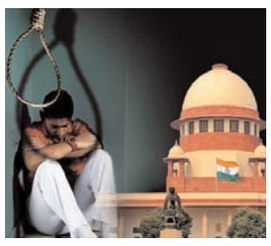

उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों की आत्महत्या को रोकना है।

न्यायालय ने कहा कि व्यापक पहुंच के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने कोविड-19 महामारी और उसके बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए 'मनोदर्पण' अभियान शुरू किया।

यह फैसला आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के विरुद्ध अपील पर आया है, जिसमें विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय अभ्यर्थी की अप्राकृतिक मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने से जुड़ी याचिका खारिज कर दी गई थी। कई दिशानिर्देश पारित करते हुए पीठ ने कहा कि 100 या अधिक विद्यार्थी वाले सभी शैक्षिक संस्थानों को बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्राप्त कम से कम एक योग्य परामर्शदाता, मनोचिकित्सक या सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति करनी चाहिए। फैसले में कहा गया है, ''कम छात्रों वाले संस्थानों को बाहरी मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ औपचारिक 'रेफरल' संबंध स्थापित करने होंगे।''

पीठ ने कहा, ''सभी आवासीय संस्थानों को छेड़छाड़-रोधी सीलिंग फैन या समकक्ष सुरक्षा उपकरण लगाने होंगे और खुद को क्षति पहुंचाने के आवेगपूर्ण कृत्यों को रोकने के लिए छतों, बालकनियों और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों तक पहुंच को प्रतिबंधित करना होगा।'' पीठ ने कहा कि सभी शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से कोचिंग संस्थानों या केंद्रों को शैक्षिक प्रदर्शन, सार्वजनिक रूप से अपमानित करने या उनकी क्षमता से अधिक शैक्षिक लक्ष्य देने के आधार पर छात्रों के बैचों को अलग करने से बचने के लिए कहा गया था।

आदेश में कहा गया है कि सभी शैक्षिक संस्थान जाति, वर्ग, लिंग, यौन झुकाव, दिव्यांगता, धर्म या जातीयता के आधार पर यौन उत्पीड़न, रैगिंग और दबंगई से जुड़ी घटनाओं की रिपोर्टिंग, निवारण और रोकथाम के लिए मजबूत, गोपनीय और सुलभ तंत्र स्थापित करेंगे। पीठ ने शिकायतकर्ताओं के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के मामले को कतई सहन नहीं करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ ने कहा कि ऐसे सभी मामलों में प्रशिक्षित मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के पास तत्काल रेफरल सुनिश्चित किया जाना चाहिए और छात्र की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत-ब्रिटेन एफटीए से कई क्षेत्रों में निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा: विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होने से भारतीय निर्यात को उपभोक्ता वस्तुओं, सौंदर्य प्रसाधनों और परिधान जैसे क्षेत्रों में बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि बृहस्पतिवार को लंदन में संपन्न हुए इस समझौते का सबसे बड़ा फायदा ब्रिटेन की स्कॉच विनिर्माता होंगी क्योंकि उनके उच्च आयात शुल्क में भारी कमी आएगी।

डेलॉयट इंडिया के साझेदार आनंद रामनाथन ने कहा कि इस समझौते के कारण भारत का विकसित व्हिस्की बाजार स्थापित एवं नई दोनों तरह की कंपनियों को वैश्विक पोर्टफोलियो विस्तार के लिए प्रोत्साहित करेगा।

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि सेवाओं के व्यापार में भारत को आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवाओं, व्यावसायिक सेवाओं और शैक्षिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में ब्रिटेन की प्रतिबद्धताओं से फायदा होगा।

नायर ने कहा कि यह समझौता पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाएगा और भारतीय श्रमिकों को तीन साल के लिए सामाजिक सुरक्षा भुगतानों से छूट देगा।

भारत, पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच सीधे संपर्क के बाद सैन्य संघर्ष रोकने पर बनी थी सहमति : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच, दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के मध्य ''सीधे संपर्क'' के परिणामस्वरूप 10 मई को संघर्ष विराम के लिए सहमति बनी थी तथा इस संपर्क की पहल ''पाकिस्तान की ओर से की गई थी।''

विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या यह सच है कि ''भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पाकिस्तान के खिलाफ तीन दिन की (सैन्य) कार्रवाई के बाद अमेरिकी हस्तक्षेप के चलते हुआ था, जब संघर्ष में भारतीय सशस्त्र बलों का पलड़ा भारी था?''

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया, ''हमारे सभी वार्ताकारों को एक ही संदेश दिया गया कि भारत का दृष्टिकोण -- लक्ष्य केंद्रित, संतुलित और तनाव न बढ़ाने वाला है।'' मंत्री ने कहा कि भारत और पाकिस्तान, 10 मई को ''दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच सीधे संपर्क के परिणामस्वरूप गोलाबारी और सैन्य गतिविधि रोकने पर सहमत हुए। इस संपर्क की पहल पाकिस्तानी पक्ष द्वारा की गई थी।'' उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान और पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के अपने मुख्य लक्ष्य ''8 मई को ही हासिल कर लिए थे।''

मंत्री ने अपने जवाब में बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमला होने से लेकर 10 मई तक, ''अमेरिका सहित, विभिन्न स्तरों पर विभिन्न देशों के साथ कई कूटनीतिक बातचीत हुई।'' उन्होंने बताया, ''अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस को 9 मई को इस बात से अवगत करा दिया गया था कि अगर पाकिस्तान कोई बड़ा हमला करता है तो भारत 'माकूल जवाब' देगा। हमारी व्यापार वार्ता का मुद्दा (भारत-पाकिस्तान) संघर्ष से संबंधित बातचीत के संदर्भ में नहीं उठा था।''

अटल पेंशन योजना के अंशधारकों की संख्या आठ करोड़ के पार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अंशधारकों की संख्या आठ करोड़ को पार कर गई है। योजना शुरू होने के 10 साल पूरे हाने के साथ यह उपलब्धि हासिल की गई है। पीएफआरडीए ने शुक्रवार को एक बयान में यह कहा। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित इस योजना के तहत चालू वित्त वर्ष (2025-26) में अबतक 39 लाख नए अंशधारक जुड़े हैं और इसके साथ इस योजना के अंशधारकों की संख्या आठ करोड़ को पार कर गई है। नौ मई, 2025 में शुरू हुई इस योजना को 10 साल हो चुके हैं।

अटल पेंशन योजना को भारत के सभी नागरिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली लाने के उद्देश्य से पेश किया गया था। यह एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है, जो मुख्य रूप से गरीब, वंचित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित है। पीएफआरडीए ने कहा कि इसकी सफलता सभी बैंकों, डाक विभाग, राज्य स्तरीय एवं केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय बैंकर समिति के साथ-साथ केंद्र सरकार के समर्थन के कारण है। एपीवाई के तहत अंशधारक योगदान राशि के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 से 5,000 रु. की गारंटीकृत मासिक पेंशन प्राप्त कर सकते हैं।

देशभर में 200 से अधिक 'कैंसर डे केयर सेंटर' स्थापित किए जाएंगे: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद में कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में देशभर में 200 से अधिक 'डे केयर कैंसर सेंटर' (डीसीसीसी) की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिनमें आंध्र प्रदेश में 14 केंद्र शामिल हैं।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) कैंसर पंजीकरण आंकड़े का उपयोग करके राष्ट्रीय स्तर पर विश्लेषण किया और केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषणा के अनुसार, राज्यों के परामर्श से 'डे केयर कैंसर सेंटर' की स्थापना की योजना बनाई।

मंत्री ने बताया कि अधिक जोखिम वाले जिलों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने एवं दोहराव से बचने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति (एनपीसीसी) द्वारा उन्हें अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने बताया, ''वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, देश भर में 200 से अधिक डे केयर कैंसर सेंटर स्थापित करने की मंजूरी दी गई है, जिनमें आंध्र प्रदेश में 14 ऐसे केंद्र शामिल हैं।'' जाधव ने संसद के निचले सदन में एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि इस साल 20 जुलाई तक 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की 25.42 करोड़ महिलाओं में से 10.18 करोड़ की गर्भाशय-ग्रीवा (सर्विकल) कैंसर के लिए जांच की जा चुकी है। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि देश में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के वर्तमान अनुपात में सुधार के प्रयास किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि हालांकि, स्वास्थ्य राज्य का विषय है, फिर भी केन्द्र ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से तथा सामुदायिक स्तर पर कल्याण गतिविधियों को बढ़ावा देने, और संचार के माध्यम से कैंसर की रोकथाम के प्रयासों को मजबूत किया है। जाधव ने बताया, ''राष्ट्रीय एनसीडी (गैर संचारी रोग) पोर्टल के अनुसार, 20 जुलाई 2025 तक 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की 25.42 करोड़ महिलाओं की आबादी में से 10.18 करोड़ की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए जांच की जा चुकी है।''

फलस्तीन के प्रति भारत की नीति लंबे समय से है: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि फलस्तीन के प्रति लंबे समय से चली आ रही अपनी नीति और मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत ने गत 12 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र के हालिया संकल्प पर मतदान में भाग नहीं लिया।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने लोकसभा में सुब्बारायण के. और सेल्वाराज वी. के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही।

सदस्यों ने पूछा था कि क्या यह सच है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस संकल्प पर मतदान नहीं किया जिसमें गाजा में तत्काल और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई है। उन्होंने अपने प्रश्न में फलस्तीन के मुद्दे पर सरकार का रुख पूछा था।

जवाब में कहा गया, ''फलस्तीन के प्रति भारत की नीति लंबे समय से चली आ रही है। भारत ने हमेशा वार्ता के माध्यम से द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन किया है ताकि सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फलस्तीन राष्ट्र की स्थापना हो, जो इजराइल के साथ शांतिपूर्वक रह सके।'' उन्होंने कहा कि भारत ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए आतंकी हमलों और इजराइल-हमास के बीच मौजूदा संघर्ष में नागरिकों की जान जाने की कड़ी निंदा की है।

कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि भारत वहां की सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित है और उसने युद्धविराम, सभी बंधकों की रिहाई और बातचीत व कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने फलस्तीन के लोगों को सुरक्षित, समयबद्ध और सतत मानवीय सहायता की आपूर्ति की आवश्यकता पर बल दिया है।

विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि भारत ने यह भी दोहराया है कि इजराइल और फलस्तीन के एक दूसरे के समीप आने से सीधी शांति वार्ता की शीघ्र बहाली के लिए परिस्थितियां तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने उपर्युक्त नीति और स्थिति के अनुरूप 12 जून 2025 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र के हालिया संकल्प पर मतदान में भाग नहीं लिया।

दक्षिण दिल्ली की सतपुला झील को पुनर्जीवित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली की 700 साल पुरानी झील को पुनर्जीवित किया गया है। इसके बारे में माना जाता था कि इस झील के पानी में उपचारात्मक शक्तियां हैं।

दक्षिण दिल्ली के खिड़की गांव में एक पार्क के अंदर स्थित सतपुला झील, भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (आईएनटीएसीएच) के विशेषज्ञों और रोटरी क्लब के उत्साही सदस्यों के दृढ़ प्रयासों के कारण, फिर से पानी से लबालब भर गई है।

यह झील उस स्मारक परिसर का हिस्सा है, जो 14वीं सदी में मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में बना था। इस झील में मध्यकालीन जल संचयन बांध है जिसके प्लेटफॉर्म और मेहराबें आज भी पेड़-पौधों से घिरे हुए हैं और दिल्ली के समृद्ध अतीत की निशानी बनी हुई हैं। इतिहासकार स्वप्ना लिडल की पुस्तक 14 हिस्टोरिकल वॉक्स ऑफ दिल्ली'' के अनुसार, चिश्ती संप्रदाय के अंतिम सूफी संत नसीरुद्दीन चिराग दहलवी ने इबादत से पहले अपने अनुष्ठानिक स्नान के लिए सतपुला के कुंड के पानी का उपयोग किया था और इसने पानी को पवित्र कर दिया था - जिसे तब विभिन्न बीमारियों के लिए उपचारात्मक गुणों से युक्त माना जाता था।

पुस्तक में लिखा है, ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से बुरी बलाओं से रक्षा होती है। उन्नीसवीं सदी के अंत तक, दिवाली से ठीक पहले यहां एक बड़ा वार्षिक मेला लगता था, जिसमें लोग पवित्र स्नान के लिए आते थे और अपने साथ कुछ जल भी ले जाते थे। साल 2022-23 के दौरान 'रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3011' के 'गवर्नर' रहे अशोक कांतूर ने कहा, जब हमने 2021 में पहली बार इस जगह पर ध्यान दिया, तो यह पूरी तरह से बंजर थी। यहां पानी की एक बूंद भी नहीं थी। बच्चे वहां क्रिकेट खेला करते थे। हमने पूरी स्थिति की कल्पना की और आईएनटीएसीएच से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट देने का अनुरोध किया, और फिर हमने तय किया कि आगे कैसे बढ़ना है। एक साल बाद, झील के पुनरुद्धार का काम ज़ोर-शोर से शुरू हुआ। दो सामाजिक संगठनों, 'रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3011 'और 'रोटरी क्लब ऑफ़ दिल्ली साउथ सेंट्रल' ने इसे एक परियोजना के रूप में शुरू करने का फैसला किया और फिर मार्गदर्शन की तलाश शुरू की। हौज़ खास झील के पुनरुद्धार पर आईएनटीएसीएच के काम से परिचित टीम ने इस संस्था से संपर्क किया। यह 18 महीने की लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा थी, जिसमें 70 लाख रुपए से ज़्यादा का निवेश शामिल था। इसमें लिबर्टी शूज़ के शम्मी बंसल का बड़ा योगदान था।

बात सिर्फ़ पैसों की नहीं थी। यह प्राचीन संरचना भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में है और यह जलाशय दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधीन है। कांतूर ने दावा किया कि सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा डीडीए, एएसआई और दिल्ली जल बोर्ड सहित कई हितधारकों से अनुमोदन प्राप्त करना था। इसके अलावा भी कई बाधाएं थी, मसलन झील में डालने के लिए पानी कहां से लाया जाए। चूंकि पानी का एकमात्र उपलब्ध स्रोत पास के चिराग दिल्ली नाले का प्रदूषित जल था, इसलिए उन्हें इसे सूखी झील में डालने से पहले कई उपचार विधियों का उपयोग करना पड़ा। अब झील को पुनर्जीवित कर दिया गया है और आधिकारिक तौर पर डीडीए को वापस सौंप दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में चार नक्सली गिरफ्तार

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोड़नगुड़ा बेदरे गांव से चार नक्सलियों तामु जोगा (25), पुनेम बुधरा (24), मड़कम भीमा (23) और मिड़ियम आयतु (24) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 23 जुलाई को जगरगुंडा थाना से जिला बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल को बोडनगुड़ा, बेदरे और आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान बोड़नगुड़ा बेदरे गांव की घेराबंदी करके चारों नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया गया। नक्सलियों से एक टिफिन बम बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि सभी गिरफ्तार नक्सली दिनांक 29 जून 2025 को बेदरे शिविर के निकट सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए बारूदी सुरंग लगाने की घटना में शामिल रहे हैं।

पंजाब के मंत्री ने मादक पादर्थ संबंधी टिप्पणी को लेकर कंगना रनौत पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत पर उनकी उस टिप्पणी के निशाना साधा जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पंजाब से आने वाले मादक पदार्थ हिमाचल प्रदेश के युवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं।

चीमा ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''कंगना रनौत को खुद पर नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि उन्हें मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए बेतुके और अप्रासंगिक बयान देने की आदत है।''

मंत्री ने कहा, ''उन्हें चीजों की बुनियादी समझ नहीं है, इसीलिए वह समाज और महिलाओं के प्रति ऐसे बयान देती हैं। मैं उनके बयान की निंदा करता हूं।''

आम आदमी पार्टी (आप) नेता ने सवाल किया कि मंडी की सांसद भाजपा शासित राज्यों के साथ-साथ अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थ के खतरे के मुद्दे पर चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा, ''गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान (भाजपा शासित राज्य) और यहां तक कि हिमाचल प्रदेश (कांग्रेस शासित राज्य) में पंजाब की तुलना में मादक पदार्थों का खतरा अधिक है।'' चीमा ने आरोप लगाया, ''देश में सबसे अधिक मादक पदार्थ गुजरात के रास्ते भेजे जाते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि पंजाब मादक पदार्थों की समस्या को खत्म करने के लिए कदम उठा रहा है। कंगना ने दिल्ली में संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा था, ''हिमाचल में मादक पदार्थ की स्थिति इतनी गंभीर है कि अगर तुरंत कड़े कदम नहीं उठाए गए, पंजाब की तरह हिमाचल को भी उसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा।''

हरियाणा में भाजपा नेता के बेटे की हत्या, कांग्रेस ने कानून व्यवस्था को लेकर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद में अज्ञात हमलावरों ने एक निजी अस्पताल के संचालक और भाजपा नेता के बेटे की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी तथा हमले में उसके साथ मौजूद दो अन्य लोग भी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम को सफीदों इलाके में घर लौट रहे विकास को हमलावरों ने घेर लिया और उस पर चाकू से कई बार वार किया, जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। सफीदों थाने के प्रभारी (एसएचओ) दिनेश कुमार ने बताया, निजी अस्पताल के संचालक विकास की इस घटना में मौत हो गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि विकास पर चाकुओं से हमला किया गया था। हत्या की वजह का पता लगाया जा रहा है और मामले की जांच जारी है। मृतक के रिश्तेदारों ने पत्रकारों को बताया कि विकास इलाके के भाजपा के एक नेता का बेटा था और उसकी किसी से दुश्मनी नहीं थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को पता चला है कि किसी ने विकास को घटनास्थल पर बुलाया था। उन्होंने बताया कि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्या के पीछे कोई पेशेवर दुश्मनी है। विकास के एक परिजन ने कहा कि उसकी (विकास की) साजिश के तहत हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि परिवार ने प्रशासन को हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए एक दिन का समय दिया है, अन्यथा विकास के परिवार ने विरोध में इलाके की सड़कें जाम करने की चेतावनी दी है। घटना के बाद विपक्षी नेताओं ने कथित तौर पर बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नायब सिंह सैनी सरकार की आलोचना की। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में हर तरफ 'बेलगाम माफिया राज' है।

पहले हफ्ते लगातार व्यवधान के बाद

संसद में सोमवार से पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने लोकसभा में सोमवार को और राज्यसभा में उसके अगले दिन पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा पर सहमति जताई है जिससे संसद में सामान्य स्थिति बहाल होने की संभावना बढ़ गई है। संसद के मानसून सत्र का पहला हफ्ता विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लगातार बाधित रहा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के चर्चा में शामिल होने की उम्मीद है तथा ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बहुप्रतीक्षित बहस का इस्तेमाल विपक्ष पर निशाना साधने के लिए कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि विपक्ष कथित खुफिया विफलताओं और भारत एवं पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम के लिए मध्यस्थता करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को मानसून सत्र के पहले हफ़्ते में दोनों सदनों में हुए व्यवधान के लिए विपक्ष को ज़िम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि सरकार सत्र की शुरुआत से ही इन मुद्दों पर चर्चा की मांग पर सहमत थी लेकिन उसके बावजूद विपक्ष ने संसद को नहीं चलने दिया।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर संसद में चर्चा कराने की विपक्ष की मांग के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा कि सभी मुद्दों पर एक साथ विचार नहीं किया जा सकता और सरकार अन्य मुद्दों पर धीरे-धीरे फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के लिए नियमों का पालन करना होगा।

सूत्रों ने बताया कि सरकारी हलकों में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को निर्वाचन आयोग के कार्य के रूप में देखा जा रहा है, इसलिए इस विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा की संभावना कम है। विपक्ष का आरोप है कि इस अभियान का उद्देश्य भाजपा नीत गठबंधन को मदद पहुंचाना है, जो चुनावी राज्य बिहार में भी सत्ता में है।

रीजीजू ने कहा कि ''पहलगाम में आतंकवादी हमले और उसके जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर'' पर विशेष चर्चा शुरू करने के निर्णय पर शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में विभिन्न दलों के नेताओं की एक बैठक में सहमति बनी।

संविधान को स्वीकार किए जाने के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में चर्चा सहित अतीत में विभिन्न विषयों पर कभी-कभार होने वाली विशेष चर्चा सदन के किसी विशेष नियम द्वारा निर्देशित नहीं होती हैं।

सत्ता पक्ष की ओर से, वक्ताओं में उन सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों के शामिल होने की संभावना है जो आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृढ़ रुख और उसे बढ़ावा देने में पाकिस्तान की भूमिका से अवगत कराने के लिए दुनिया की 30 से ज़्यादा राजधानियों की यात्रा कर चुके हैं। दोनों सदनों में इन दोनों मुद्दों पर 16-16 घंटे की चर्चा होगी।

कमल हासन तथा तीन अन्य सांसदों ने ली राज्यसभा की सदस्यता की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आए कमल हासन तथा तीन अन्य सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

सुबह 11 बजे बैठक शुरू होने पर मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) प्रमुख कमल हासन तथा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की राजाथी, एस आर शिवलिंगम और पी विल्सन को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। इन सभी ने तमिल में शपथ ली।

सफेद रंग की शर्ट और काली पैंट पहने कमल हासन का सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपा कर स्वागत किया।

उन्हें हाल में राज्यसभा के लिए नामित किया गया था। पी विल्सन का उच्च सदन में यह दूसरा कार्यकाल होगा।

हासन, राजाथी, एस आर शिवलिंगम तथा पी विल्सन उच्च सदन में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करेंगे। बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के छह सदस्यों का उच्च सदन में कार्यकाल पूरा हो गया था।

द्रमुक सांसद तमिलनाडु के अधिकारों के लिए संसद में अपनी आवाज उठाएंगे : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी के सांसद राज्य के अधिकारों के लिए संसद में अपनी आवाज उठाएंगे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष स्टालिन ने पूर्व मुख्यमंत्री सी. एन. अन्नादुरई के समय से पार्टी सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। अन्नादुरई ने राज्यसभा में ''मैं द्रविड़ समुदाय से हूं'' का नारा दिया था।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, ''हमारे सांसद तमिलनाडु के अधिकारों की आवाज बुलंद करते रहे हैं।''

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरे भाई एमडीएमके (मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम) प्रमुख वाइको के

भाषण से मेरा दिल द्रवित हो गया और मैं भावुक हो गया।''

उन्होंने कहा, ''मैं षणमुगम, एम. एम. अब्दुल्ला के काम की सराहना करता हूं और वरिष्ठ वकील पी. विल्सन और हमारे प्रिय मित्र कमल हासन, सलेम एस. आर. शिवलिंगम और कवयित्री सलमा को बधाई देता हूं, जो हमारी नयी आवाज होंगी।''

द्रमुक ने मौजूदा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन, सलेम पूर्व के जिला सचिव और पूर्व विधायक एस. आर. शिवलिंगम तथा पार्टी प्रवक्ता एवं कवयित्री रुकैया मलिक को राज्यसभा के लिए नामित किया था। रुकैया मलिक को कवयित्री सलमा के नाम से भी जाना जाता है।

इसके अलावा, द्रमुक ने मक्कल निधि मय्यम को एक राज्यसभा सीट आवंटित की, जिसने अपने संस्थापक एवं अध्यक्ष कमल हासन को संसद के उच्च सदन में भेजा है।

श्रीराम फाइनेंस का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ नौ प्रतिशत बढ़कर 2,156 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस का शुद्ध मुनाफा जून तिमाही में 8.83% बढ़कर 2,156 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी एकल आधार पर शुद्ध लाभ 1,981 करोड़ रु. रहा था। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही में कुल आय बढ़कर 11,542 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्तवर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 9,610 करोड़ रुपये थी। श्रीराम फाइनेंस के निदेशक मंडल ने एक अगस्त, 2025 से 31 अक्टूबर, 2025 तक विदेशी या घरेलू बाजार में एक या एक से अधिक किस्तों में ऋण प्रतिभूतियों के आधार पर बॉन्ड और/या सार्वजनिक निर्गम जारी करने को भी मंजूरी दे दी।

ट्रेनों में स्थायी रूप से अतिरिक्त कोच जोड़े गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एम. सेंथमिल सेल्वन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उत्तर रेलवे ने अधिसूचना जारी की है जिसमें ट्रेन संख्या 12284/12283 हज़रत निज़ामुद्दीन-एर्नाकुलम जंक्शन-हज़रत निज़ामुद्दीन दुरंतो एक्सप्रेस में तीन स्लीपर क्लास कोच स्थायी रूप से जोड़े जाएंगे। ये कोच हज़रत निज़ामुद्दीन से 2 अगस्त, से और एर्नाकुलम जंक्शन से 5 अगस्त से जोड़े जाएंगे।

स्थायी वृद्धि के बाद कोच संरचना को संशोधित किया जाएगा फिर ट्रेन में अब एक एसी प्रथम श्रेणी कोच, दो एसी टू टियर कोच, दस एसी थ्री टियर कोच, छह स्लीपर क्लास कोच, एक पेंट्री कार, एक द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और एक लगेज सह ब्रेक वैन कोच होंगे। वहीं दक्षिण पश्चिम रेलवे ने ट्रेन संख्या 12028/12027 केएसआर बेंगलूरु-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-केएसआर बेंगलूरु शताब्दी एक्सप्रेस में 27 जुलाई से केएसआर बेंगलूरु से एक एसी चेयर कार कोच और 27 जुलाई से डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से एक एसी चेयर कार कोच स्थायी रूप से जोड़ा जाएगा। विस्तार के बाद कोच की संरचना दो एसी एग्जीक्यूटिव चेयर कोच, 14 एसी चेयर कार, एक द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और एक लगेज सह ब्रेक वैन होगी।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार की टिप्पणी कांग्रेस की संस्कृति को दर्शाती है: सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी/पणजी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की मानसिक संतुलन खोने संबंधी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को कहा कि यह बयान कांग्रेस की संस्कृति को दर्शाता है। शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि सावंत ने मानसिक संतुलन खो दिया है और कर्नाटक महादयी नदी परियोजना पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह भी दावा किया था कि सावंत संघीय ढांचे से अनभिज्ञ हैं।

शिवकुमार की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब सावंत ने विधानसभा में कहा कि गोवा राज्य महादयी नदी पर कर्नाटक द्वारा कार्य जारी रखने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाएगा। पणजी में संवाददाताओं से बात करते हुए सावंत ने शुक्रवार को कहा, शिवकुमार का बयान कांग्रेस की संस्कृति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम महादयी नदी का जल मोड़ने से बचाने की अपनी मांग को उच्चतम न्यायालय और केंद्र सरकार के समक्ष गंभीरता से रख रहे हैं। उन्होंने कहा, वह (शिवकुमार) कांग्रेस की संस्कृति दिखा रहे हैं। हम इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं और केंद्र के साथ संवाद जारी रखेंगे। सावंत ने कहा, जब कोई व्यक्ति निराश होता है तो वह इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करता है। कर्नाटक के कांग्रेस नेता आपस में यह प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं कि कौन कितना नीचे गिर सकता है। गोवा सरकार कर्नाटक की कलसा-बंदूरी परियोजना का विरोध कर रही है। इस परियोजना के तहत कर्नाटक सरकार धारवाड़, बेलगावी, बागलकोट और गडग जिलों में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए महादयी नदी का जल मालाप्रभा नदी की ओर मोड़ने का प्रस्ताव लेकर आई है। महादयी नदी कर्नाटक और गोवा से होते हुए अरब सागर में जाकर मिलती है। गोवा में इसे मांडवी नदी के नाम से जाना जाता है और यह राज्य की दो प्रमुख नदियों में से एक है। महादयी नदी का जल मोड़ने का मामला लंबे समय से गोवा और कर्नाटक के बीच विवाद का विषय रहा है। गोवा का कहना है कि इससे राज्य की वनस्पति और जीव-जंतुओं पर गंभीर असर पड़ेगा। 2018 में महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण ने अंतर-राज्यीय जल विवाद पर फैसला सुनाते हुए कर्नाटक को 13.42 टीएमसी फीट, महाराष्ट्र को 1.33 टीएमसी फीट और गोवा को 24 टीएमसी फीट जल आवंटित किया था। इस निर्णय को केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में अधिसूचित किया था।

चोलों की गौरवशाली विरासत का सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी कल ऐतिहासिक कार्यक्रम में भाग लेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 जुलाई को गंगईकोंडा चोलपुरम यात्रा एक ऐतिहासिक अवसर है जो तमिल गौरव और विरासत के पुनरुत्थान का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक घटना इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारत की समुद्री एवं सांस्कृतिक विरासत पर तमिलनाडु की अमिट छाप का प्रमाण है।

चोल वंश की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को प्रेरित करती हैं, जो भारत की कालातीत विरासत को आधुनिक आकांक्षाओं के साथ सहजता से जोड़ता है। चोलों का प्रशासनिक कौशल, वास्तुशिल्पीय नवाचार और सांस्कृतिक योगदान देश के गौरवशाली अतीत के प्रमाण हैं। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर अग्रसर है, प्रधानमंत्री मोदी की पहल चोलों की विरासत से प्रेरणा लेती है, जो प्राचीन ज्ञान और आधुनिक महत्वाकांक्षा के समन्वय को बढ़ावा देती है। यह सम्मिश्रण भारत को एक उभरते भविष्य की ओर अग्रसर करता है, जहाँ परंपरा और नवाचार मिलकर एक उज्ज्वल कल का निर्माण करते हैं। चोलों की विरासत का सम्मान करके, प्रधानमंत्री मोदी तेज़ी से विकसित हो रहे विश्व की माँगों को स्वीकार करते हुए अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। सम्राट राजेंद्र चोल, एक महान व्यक्तित्व जिन्होंने भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में चोल साम्राज्य का प्रभाव बढ़ाया,

के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी करना इस अवसर के महत्व को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर तमिल संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के प्रति मोदी का समर्पण दुनिया भर के तमिलों में गौरव, एकता और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देता है।

उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम जैसी पहलों के माध्यम से, मोदी ने तमिल विरासत को राष्ट्रीय गौरव के शिखर पर पहुँचाया है। संसद में चोल सेंगोल की स्थापना तमिल संस्कृति के सम्मान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। इन प्रयासों ने न केवल तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान किया है, बल्कि भारत के समृद्ध सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में इस क्षेत्र की अभिन्न भूमिका की भी पुष्टि की है।

सम्राट राजेंद्र चोल की विजयें और विरासत, चोल साम्राज्य के एक समुद्री, सांस्कृतिक और सामरिक महाशक्ति के रूप में चरमोत्कर्ष का प्रमाण हैं। गंगईकोंडा चोलपुरम, जिसका अर्थ है गंगा पर विजय प्राप्त करने वाले चोलों का शहर, एक वास्तुशिल्प और प्रशासनिक चमत्कार के रूप में खड़ा है, जो साम्राज्य की भव्यता का प्रतीक है। पवित्र गंगा जल से भरा भव्य चोल गंगम तालाब उनकी ऐतिहासिक विजयों और स्थायी विरासत का प्रमाण है।

सम्राट राजेंद्र चोल को सम्मानित करके, मोदी राष्ट्रीय गौरव की ज्योति को पुनः प्रज्ज्वलित कर रहे हैं और प्रत्येक भारतीय को वैश्विक सभ्यता में उनके पूर्वजों के अद्वितीय योगदान की याद दिला रहे हैं। यह ऐतिहासिक अवसर न केवल भारत की सभ्यतागत गाथा में तमिलनाडु के योगदान का उत्सव मनाता है, बल्कि अपने गौरवशाली अतीत के सम्मान में राष्ट्र की एकता की भी पुष्टि करता है।

प्रसाद ने कहा कि 27 जुलाई एक शानदार मील का पत्थर साबित होगा, जो भारत के गौरवशाली अतीत का जश्न मनाते हुए एक जीवंत और एकजुट भविष्य की प्रेरणा देगा। मोदी का नेतृत्व तमिलनाडु की भावना का प्रतीक है, और तमिल संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के उनके प्रयासों ने उन्हें विश्व स्तर पर तमिलों के लिए एक प्रेरणास्रोत बना दिया है। यह यात्रा तमिल सभ्यता की चिरस्थायी विरासत और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आकार देने में इसकी अभिन्न भूमिका का प्रमाण है।

सीबीआई ने कार्ति चिदंबरम की जमानत शर्तों में ढील देने के अनुरोध संबंधी याचिका का विरोध किया

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम की उस याचिका का विरोध किया जिसमें सांसद होने के आधार पर उनकी जमानत शर्तों में ढील देने का अनुरोध किया गया है। सीबीआई के विशेष वकील अनूप एस शर्मा ने विजय माल्या का नाम लिए बिना कहा कि किंगफिशर के पूर्व मालिक भी कभी सांसद हुआ करते थे और आज ब्रिटेन में बैठे हैं''। यह दलील तब दी गई जब चिदंबरम का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि उनके मुवक्किल एक सांसद हैं और उनके देश छोड़कर भागने की आशंका नहीं है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा चिदंबरम की जमानत शर्तों में ढील देने के अनुरोध संबंधी याचिका पर पहले सुनवाई करने के अनुरोध पर सुनवाई कर रहे थे। लूथरा ने कहा, ''वह (कार्ति चिदंबरम) सांसद हैं, वह कहां जाएंगे? आज भी वह संसद में उपस्थित हैं।''

तमिलनाडु में बांग्ला बोलने पर चार प्रवासी मजदूरों से मारपीट का आरोप

चेन्नई/कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के चार प्रवासी मजदूरों ने आरोप लगाया है कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में इस महीने की शुरुआत में स्थानीय लोगों ने उन्हें बांग्ला बोलने पर बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासी समझकर पीटा। मुर्शिदाबाद में 18 जुलाई को दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, घटना 15 जुलाई को हुई जब सुजान शेख, उनके भाई मिलन शेख, साहिल शेख और बाबू शेख नामक मजदूर तिरुवल्लूर के एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे।

सुजान शेख ने मुर्शिदाबाद स्थित अपने घर से 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, कुछ स्थानीय निवासियों ने हमारा विरोध किया, हमारे नाम और हम कहां से हैं, यह पूछा। जब उन्होंने हमें बांग्ला में बात करते सुना तो उन्होंने हमें लोहे की छड़ और डंडे से पीटना शुरू कर दिया। वे हम पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाते रहे। मजदूरों को पहले तिरुवल्लूर के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। कथित हमले में सुजान का हाथ टूट गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और वह अभी भी चिकित्सा टीम की देखरेख में हैं। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन्होंने पहले चेन्नई में पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। सुजान ने कहा, हम पिछले चार सालों से चेन्नई में काम करने के लिए जा रहे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि उन्हें 11 दिन की मजदूरी भी नहीं दी गई। मुर्शिदाबाद पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है और बताया कि तमिलनाडु पुलिस से संपर्क किया गया है।

वाईएसआरसीपी ने तिरुपति भगदड़ से जुड़ी रिपोर्ट खारिज की, सीबीआई जांच की मांग

चेन्नई/तिरुपति। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के वरिष्ठ नेता और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी ने तिरुपति मंदिर में मची भगदड़ पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को शुक्रवार को खारिज कर दिया और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से मामले की जांच कराने की मांग की। उनका आरोप है कि रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और ऐसा लगता है कि इसका निष्कर्ष पहले से ही तय था।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एम सत्यनारायण मूर्ति द्वारा तिरुपति के बैरागीपट्टेडा में पद्मावती पार्क में हुई भगदड़ पर प्रस्तुत रिपोर्ट को बृहस्पतिवार को स्वीकार कर लिया। यह भगदड़ आठ जनवरी 2025 को मची थी। एमजीएम स्कूल के पास बैरागीपट्टेडा में भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और लगभग 40 घायल हो गए थे। रेड्डी ने मंदिर नगरी में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ऐसा लगता है कि इसका निष्कर्ष पहले से ही तय था, क्योंकि इसमें घटना के लिए जिम्मेदार सभी मुख्य व्यक्तियों को छोड़ दिया गया है, जिनमें टीटीडी, राजस्व (विभाग) और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, लेकिन जानबूझकर दो व्यक्तियों को बलि का बकरा बनाया गया है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि दो व्यक्ति हरिनाथ रेड्डी और रमण कुमार भगदड़ के लिए जिम्मेदार हैं। करुणाकर रेड्डी ने दावा किया कि मुख्य लोगों को कथित तौर पर बख्श दिया गया और छोटे अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की।

बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 1.9 प्रतिशत बढ़कर 4,541 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुम्बई। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1.9 प्रतिशत बढ़कर 4,541 करोड़ रुपये हो गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 4,458 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका परिचालन लाभ सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 8,236 करोड़ रुपये हो गया।

बैंक ने कहा, ''परिचालन लाभ में वृद्धि को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में गैर-ब्याज आय के 88 प्रतिशत बढ़कर 4,675 करोड़ रुपये होने से समर्थन मिला।'' हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा की शुद्ध ब्याज आय 1.4 प्रतिशत घटकर 11,435 करोड़ रुपये रह गई। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बैंक का सकल एनपीए सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत घटकर 27,572 करोड़ रुपये रह गया और सकल एनपीए अनुपात सुधार के साथ 2.88 प्रतिशत से 2.28 प्रतिशत हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शुद्ध एनपीए अनुपात भी घटकर 0.60 प्रतिशत रह गया।

गत पांच वर्षों में तमिलनाडु में 256 व कर्नाटक में 160 हाथियों की हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। देश में 2019 से 2023 के बीच हाथियों के हमलों में 2,800 से अधिक लोगों की मौत हुई है तथा ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल इस तरह की घटनाओं से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में शामिल हैं।

पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने शुक्रवार को राज्यसभा को माकपा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा पूछे गये प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। इस दौरान ओडिशा में सबसे अधिक 624, झारखंड में 474, पश्चिम बंगाल में 436, असम में 383 और छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, हाथियों के हमलों से होने वाली मौतों में लगातार वृद्धि देखी गई है।

हाथियों के हमलों में जान गंवाने वालों की संख्या 2019-20 में 595 से बढ़कर 2023-24 में 629 हो गई। तमिलनाडु और कर्नाटक में पांच वर्षों के दौरान क्रमशः 256 और 160 लोगों की मौत हुई। उन्होंने यह भी बताया कि 2022 में हुए संशोधन के अनुसार, अधिनियम की धारा 11 के तहत राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति से निपटने का अधिकार प्रदान किया गया है।

उत्तरप्रदेश के मंत्री सहित प्रतिनिधि मंडल ने चेन्नई के ईएसआईसी मेडीकल कॉलेज व अस्पताल का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तरप्रदेश के श्रम व रोजगार समन्वय विभाग के मंत्री अनिल राजभर ने 25 जुलाई को यहां के केकेनगर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया। श्रम व रोजगार विभाग उत्तरप्रदेश की प्रमुख सचिव डॉ. एमके षणमुगा सुंदरम, ईएसआई योजना उत्तरप्रदेश के निदेशक सौम्या पांडे, विशेष सचिव नीलेश कुमार सिंह और अवर सचिव शिव सूरत इस दौरे के दौरान मंत्री के साथ थे। मंत्री ने अस्पताल में आपातकालीन चिकित्सा विभाग, ओपीडी ब्लॉक, इनपेशेंट ब्लॉक, हेमोडायलिसिस यूनिट, आईसीयू आदि जैसी विभिन्न सुविधाओं का दौरा किया और ईएसआई लाभार्थियों से भी बातचीत की। मंत्री को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की विभिन्न सुविधाओं और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में एक प्रस्तुति भी दी गई।

इस मौके पर मंत्री ने अस्पताल के चिकित्सा कर्मचारियों और मेडीकल कॉलेज के छात्रों को संबोधित किया और ईएसआई लाभार्थियों को उच्च-गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान करने में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। मंत्री ने संस्थान द्वारा प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं और पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवाओं की गुणवत्ता दर्शनीय है और यह संस्थान के सभी डॉक्टरों, नर्सों और अन्य सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता का परिणाम है। संस्थान की कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं को मान्यता मिली है और उन्हें उत्तर प्रदेश राज्य में लागू किया जाएगा। इस दौरान मंत्री ने प्रधानमंत्री दिव्यांग केंद्र (पीएमडीके) के अंतर्गत दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायता उपकरण भी वितरित किए।

स्कूल की इमारत का हिस्सा ढहने से सात छात्रों की मौत

महिला प्रिंसिपल समेत 4 शिक्षक सस्पेंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मनोहरथाना के प्रभारी नंद किशोर वर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, अब तक सात बच्चों की मौत हो चुकी है। झालावाड़ जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर दूर पीपलोदी गांव के सरकारी स्कूल में बच्चे सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे, तभी छठी और सातवीं कक्षा की छत ढह गयी। घटना के बाद मलबे का ढेर लग गया। घबराए हुए शिक्षकों, अभिभावकों व आसपास के अन्य लोगों ने बच्चों को मलबे से निकालना शुरू किया। पुलिस को सुबह करीब 7:45 बजे सूचना दी गई।

इस हादसे में जान गंवाने वाले वाले पांच बच्चों की पहचान हो गई है। थाना प्रभारी के अनुसार, इनके नाम कुंदर, कान्हा, रैदास, अनुराधा और बादल भील हैं। घायलों को झालावाड़ अस्पताल और मनोहरथाना स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के झालावाड़ में एक विद्यालय की छत गिरने से कई विद्यार्थियों की मृत्यु और घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मेरी प्रार्थना है कि ईश्वर शोक संतप्त परिजनों को यह पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने कहा, मैं इस दुर्घटना में घायल हुए विद्यार्थियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना में हुई मौतों पर गहरा शोक व्यक्त किया। मालदीव की दो दिवसीय यात्रा पर माले गए मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्राधिकारी पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। कोटा से सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह घटना दुखद है। उन्होंने घायल छात्रों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गुस्साए स्थानीय निवासियों ने कहा कि उन्होंने स्कूल भवन की हालत के बारे में तहसीलदार और उपखंड अधिकारी सूचित किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय निवासी बालकिशन ने कहा, यह प्रशासन की लापरवाही के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि वह सड़क किनारे बैठे थे तभी उन्होंने तेज धमाका सुना। उन्होंने कहा, जब मैंने पीछे मुड़कर देखा, तो इमारत का एक हिस्सा ढह गया था और बच्चे चीख रहे थे। मैं और वहाँ मौजूद अन्य लोग इमारत की ओर दौड़े और बच्चों को बचाने के लिए स्लैब और पत्थर हटाने लगे। उन्होंने कहा, वहाँ अफरा-तफरी मच गई। बच्चे रो रहे थे और हर कोई उन्हें बाहर निकालने की कोशिश कर रहा था। हममें से कई लोग घायल छात्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।

एक अन्य स्थानीय निवासी ने दावा किया कि प्रशासनिक मदद पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने फंसे बच्चों को निकालकर निजी वाहनों से स्वास्थ्य केंद्र पहुँचा दिया था। झालावाड़ के जिला कलेक्टर अजय सिंह के अनुसार, जिला प्रशासन ने हाल ही में शिक्षा विभाग को किसी भी जर्जर स्कूल भवन की जानकारी देने का निर्देश दिया था, लेकिन यह भवन सूची में शामिल नहीं था।

सिंह ने कहा, मैं इसकी जांच करवाऊंगा और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिला अस्पताल के बाहर एक व्यक्ति ने रोते हुए आरोप लगाया कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही लोग बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल ले जा चुके थे। घायल छात्रों में उनका बेटा भी शामिल है। जिला अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि नौ घायल आईसीयू में हैं और उनमें से दो का ऑपरेशन हो चुका है, जबकि दो अन्य का ऑपरेशन चल रहा है।

एक स्कूली छात्रा ने बताया कि घटना के समय वह स्कूल के दूसरे कमरे में मौजूद थी। उसने कहा, हमें समझ नहीं आया कि क्या हुआ। हम कक्षा से बाहर निकले और देखा कि दूसरी कक्षा ढह गई है। एक अन्य छात्रा ने कहा कि स्कूल की दीवारों में पौधे उग आए थे और दीवारों में सीलन व रिसाव की दिक्कत थी। मौके पर मौजूद एक ग्रामीण दुलीचंद ने बताया कि पहले एक कमरा ढहा जिसके बाद बगल वाला कक्षा कक्ष भी ढह गया। उन्होंने कहा, स्कूल की इमारत 30-40 साल पुरानी लगती है। इसमें पांच कक्ष और एक कार्यालय था। एक हिस्सा ढहने के बाद, जिला प्रशासन ने बाकी हिस्सों को ढहा दिया है ताकि आगे कोई दुर्घटना न हो।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, झालावाड़ के पीपलोदी में विद्यालय की छत गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। घायल बच्चों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।'उन्होंने लिखा, ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति दें। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी। उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों को घटनास्थल पर तुरंत पहुंचने और बच्चों का उचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा, झालावाड़ के पीपलोदी गांव में एक स्कूल की छत गिरने की एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। हम नजदीकी अस्पताल में सरकारी खर्च पर घायलों का इलाज करवाएंगे।' उन्होंने कहा कि इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हादसे पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, मनोहरथाना क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल की इमारत गिरने से कई बच्चों एवं शिक्षकों के हताहत होने की सूचना मिल रही है। मैं ईश्वर से कम से कम जनहानि एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देने की प्रार्थना करता हूं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सहित अन्य नेताओं ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और घायल छात्रों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

स्कूल हादसे के बाद ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा ढहने से गुस्साए स्थानीय निवासियों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना में कम से कम सात छात्रों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गांववालों ने गुराड़ी चौराहे पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। घटना के समय स्कूल में मौजूद रहे कुछ छात्र भी अपने अभिभावकों के साथ भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

एक छात्रा ने संवाददाताओं को बताया, मैं और कुछ अन्य छात्र एक कक्षा के दरवाजे के पास बैठे थे। ऊपर से बजरी के कुछ टुकड़े गिरने लगे। कुछ ही देर बाद, हमारी कक्षा से सटा कमरा ढह गया। चूंकि हम दरवाजे के पास बैठे थे, इसलिए तुरंत बाहर की ओर भाग गए।

छात्रा ने बताया कि उसके माता-पिता और वहां मौजूद अन्य लोगों ने मलबे में फंसे छात्रों को निकालना शुरू किया। एक अन्य छात्रा ने कहा, हम डर गए और रोने लगे। एक स्थानीय व्यक्ति ने पीड़ितों के परिवारों के लिए एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा, यह घटना प्रशासन की लापरवाही के कारण हुई। सरकार को पीड़ित परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देना चाहिए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों की मौत पर दुख जताया

नयी दिल्ली/जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान में एक स्कूल की इमारत गिरने से कई छात्रों की मौत अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की छत गिरने से छह बच्चों की मौत हो गई जबकि 29 बच्चे घायल हो गए। यह घटना जिले के मनोहर थाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में उस समय हुई जब बच्चे सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे। पुलिस को इस बारे में सुबह करीब 7:45 बजे सूचना दी गई।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के झालावाड़ में एक विद्यालय की छत गिरने से कई विद्यार्थियों की मृत्यु और घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मेरी प्रार्थना है कि ईश्वर शोक संतप्त परिजनों को यह पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा, मैं इस दुर्घटना में घायल हुए विद्यार्थियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों की मौत पर दुख जताया

नयी दिल्ली/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राजस्थान में स्कूल की इमारत गिरने की घटना में छात्रों की मौत पर दुख जताया। राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को सुबह एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे चार बच्चों की मौत हो गयी और 17 अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के साथ है। उन्होंने कहा, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्राधिकारी पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।

फिर विमानों की आवाजों से गुंजायमान हो रहा है पश्चिम राजस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में सीमावर्ती जिलों में युद्धाभ्यास के कारण एक बार फिर आसमान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की आवाज़ों से गुंजायमान हो रहा है। सैन्य सूत्रों के अनुसार जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर जिलों में भारतीय वायुसेना ने बुधवार से युद्धाभ्यास शुरू किया है। तीन दिनों के युद्धाभ्यास का आज आखिरी दिन है। इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के विभिन्न लड़ाकू विमान जोधपुर एवं बाड़मेर के उत्तरलाई वायुसैनिक हवाई अड्डों से उड़ान भरकर जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज क्षेत्र में युद्धाभ्यास कर रहे हैं। भारतीय वायुसेना ने इस अभ्यास के लिए नोटम यानी नोटिस टू एयरमेन जारी कर दिया है, जिसके कारण जैसलमेर से जोधपुर के बीच के हवाई क्षेत्र में किसी भी यात्री या निजी विमान को उड़ान भरने की अनुमति नहीं है।

यह हालांकि अभ्यास पूरी तरह पूर्व निर्धारित और नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इसके समय और स्थान के कारण इसका अत्यधिक सामरिक महत्व हैं। जानकारों के अनुसार यह अभ्यास न केवल भारत की तैयारी का प्रदर्शन है, बल्कि पाकिस्तान को दिया गया एक सधा हुआ संदेश भी है। हाल के महीनों में पाकिस्तान की ओर से सीमा पर ड्रोन भेजने, जासूसी नेटवर्क सक्रिय करने और घुसपैठ की कोशिशों को देखते हुए यह अभ्यास बेहद सटीक समय पर किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर दिखा दिया है कि सीमा पर अगर कोई हलचल होती है, तो जवाब देने में देरी नहीं होगी।

साथ ही यह अभ्यास भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत संकेत देता है। तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमानों, स्वदेशी रडार सिस्टम और मिसाइल तकनीक के इस्तेमाल ने दिखा दिया है कि भारत अब केवल विदेशी उपकरणों पर निर्भर नहीं है। अब हमारे पास अपनी तकनीक है, अपनी ताकत है और अपना आत्मविश्वास है। गौरतलब है कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकवादियों ठिकानों पर भारत की ओर से किये गये हमले के और उसके बाद सैन्य कार्रवाई के दौरान भारतीय वायुसेना के विमानों की गड़गड़ाहट यहां सुनायी दी थी।

हादसे के बाद शिक्षामंत्री ने जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए 200 करोड़ रुपए किए मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। झालावाड़ में एक सरकारी स्कूल की छत गिरने से हुए दर्दनाक हादसे के बाद शिक्षा मंत्री ने तत्काल अपना भरतपुर दौरा रद्द कर झालावाड़ के लिए रवाना हो गए। शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी जर्जर और असुरक्षित स्कूल भवनों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इन भवनों की मरम्मत व जीर्णोद्धार के लिए 200 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

मदन दिलावर दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को भरतपुर पहुंचे थे, लेकिन जैसे ही उन्हें झालावाड़ के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में छत गिरने की जानकारी मिली, उन्होंने सर्किट हाउस में मीडिया से संक्षिप्त बातचीत की और दौरा रद्द कर दिया। इसके बाद वे तत्काल झालावाड़ रवाना हो गए। मंत्री ने कहा कि यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है और इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री के इस निर्णय को जनता के बीच संवेदनशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। आमजन का मानना है कि सरकार ने हादसे को गंभीरता से लिया है और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की दिशा में तत्परता दिखाई है। झालावाड़ हादसे ने एक बार फिर से प्रदेश के स्कूल भवनों की बदहाल स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षा विभाग की ताजा कार्रवाई से उम्मीद की जा रही है कि अब स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों की जान की हिफाजत सुनिश्चित की जा सकेगी।

प्रदेश सरकार समुचित जलापूर्ति की दिशा में कृत संकल्पित होकर कर रही काम : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीयकार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर में जलसंसाधन विभाग और जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथसुरपुरा बाँध का अवलोकन किया और अधिकारियों से जल भराव क्षमता और वर्तमान जल स्तरकी जानकारी ली। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्रीभजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार समुचित जलापूर्ति की दिशा मेंकृत संकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्षों से लम्बित परियोजनाओं केकार्य तीव्र गति से धरातल पर उतर रहे हैं।

जल जीवन मिशन की समयावधि 2028 तक बढ़ाई गईपटेल ने कहा कि राम जल सेतुलिंक परियोजना, यमुना जल समझौता और देवास परियोजना जैसी विभिन्न परियोजनाओं काकार्य पूर्ण होने पर पेयजल, कृषि एवं उद्योगों के लिए आवश्यक पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा किमुख्यमंत्री के अथक प्रयासों से केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की समयावधि 2028 तक के लिएबढ़ाई है, जिससे जेजेएम की लंबित परियोजनाओं का कार्य पूर्ण होने पर हर घर तक नल से जल पहुंचेगा।

सुरपुरा बांध पर्यटक स्थल के रूपमें होगा विकसितसंसदीय कार्य मंत्री नेअधिकारियों को बांध पर सड़क निर्माण, फैंसिंग औरलाइटिंग की व्यवस्था के लिए प्लान बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंनेसुरपुरा बांध क्षेत्र को जोधपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने केलिए आवश्यक आधारभूत अवसंरचना के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सुरपुरा बांध पर जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित सफारीपार्क एवं प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे स्थानीयलोगों को रोजगार मिलेगा और उनका जीवन स्तर बेहतर होगा।

पटेल ने आरजीएलसी फेज तृतीयके अधीक्षण अभियंता से परियोजना की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विभागीयअधिकारियों को जोधपुर की भावी पेयजल आवश्यकता को ध्यान में रखकर स्टोरेज क्षमताबढ़ाने के लिए उम्मेद सागर पर अलग से प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की माणकलाव- दईजर-बनाड़ 37 गांवों कीपेयजल परियोजना की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को तयसमयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इस परियोजना के पूर्णहोने पर विधानसभा क्षेत्र लूणी के 13 गांवों में जलापूर्ति सुनिश्चितहोगी। इस दौरान जल संसाधन विभाग एवं जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अभियंता सहितजनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अरुणाचल के मुख्यमंत्री खांडू लद्दाख में दलाई लामा की आध्यात्मिक सभा में शामिल हुए

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू लद्दाख में करशा मठ द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन धर्म सभा 'याचोंस चेनमो' में शुक्रवार को शामिल हुए। करशा फोटांग में आयोजित इस धार्मिक समागम में लगभग 30,000 आध्यात्मिक साधक उपस्थित थे, जो तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा से शिक्षा प्राप्त करने के लिए एकत्र हुए थे।

खांडू ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लद्दाख में दलाई लामा के साथ अपनी मुलाकात को आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण अनुभव बताया तथा तिब्बती धर्म गुरु द्वारा प्रसार की जा रही करुणा और शाश्वत ज्ञान को रेखांकित किया। खांडू इस समय लद्दाख के दौरे पर हैं। तिब्बती धर्म गुरु ने प्रमुख बौद्ध सिद्धांतों पर एक प्रभावशाली उपदेश दिया, जिसमें ''करुणा, प्रतीत्य समुत्पाद (बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत), चार आर्य सत्य, शून्यता की अवधारणा और बोधिसत्व मार्ग'' शामिल हैं। खांडू ने अपने अनुभव साझा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम खुले आसमान के नीचे, पहाड़ों के बीच, परम पावन 14वें दलाई लामा को सुनने के लिए एकत्र हुए, जिन्हें दुनिया शांति का सागर कहती है।'' खांडू ने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''अक्सर, विभाजन से प्रेरित दुनिया में, ऐसे क्षण हमें यह याद दिलाते हैं कि शांति केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक अभ्यास है। और करुणा कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है।''

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने से लोकतंत्र कमजोर होगा: कांग्रेस

इंफाल/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाए जाने से लोकतंत्र के मूल्य कमजोर होंगे और राज्य की जनता ऐसा नहीं चाहती। केंद्र सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि 13 अगस्त से अगले छह महीने के लिए और बढ़ा सकती है तथा इस संबंध में एक वैधानिक संकल्प लाने के लिए राज्यसभा में नोटिस दिया गया है, जिसे पीठ ने स्वीकार कर लिया है।

कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने कहा कि यह 'डबल इंजन' सरकार की विफलता है कि राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाई जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''यह लोगों की इच्छा नहीं है कि राष्ट्रपति शासन को छह महीने के लिए और बढ़ाया जाए। राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने से लोकतंत्र के मूल्य और संघवाद की भावना कमजोर होगी।''

धनबाद खदान हादसा

एनडीआरएफ और बीसीसीएल ने बचाव अभियान शुरू किया

धनबाद/भाषा। झारखंड के धनबाद में बंद पड़ी एक कोयला खदान में अवैध खनन के दौरान कथित रूप से फंसे खनिकों को बचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की एक संयुक्त टीम ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार देर शाम खनिकों की तलाश के असफल प्रयास के बाद, एनडीआरएफ के 35 सदस्यीय दल और बीसीसीएल खदान बचाव शाखा के 15 सदस्यीय दल ने पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 30 मिनट पर अभियान शुरू किया।

इस बीच, बाघमारा में बीसीसीएल की ब्लॉक-2 की बंद पड़ी भूमिगत खदान के कथित रूप से ढहने की घटना को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कई नेताओं ने इस घटना में अनेक लोगों की मौत होने का दावा किया है। गिरिडीह के सांसद सी. पी. चौधरी द्वारा घटनास्थल पर तत्काल बचाव अभियान शुरू किए जाने की मांग को लेकर बाघमारा थाने पर धरना दिए जाने के बाद बुधवार को एनडीआरएफ को तैनात किया गया। बाघमारा थाने के प्रभारी अजीत कुमार ने कहा, ''सांसद ने तीन जगहों को चिह्नित किया है जहां लोग संदिग्ध रूप से फंसे हो सकते हैं। इनमें से एक जगह पर बचाव अभियान शुरू हो गया है और जल्द ही अन्य जगहों पर भी अभियान चलाया जायेगा।'' यह घटना 22 जुलाई की शाम को तब हुई, जब ब्लॉक 2 में भूमिगत बंद खदान की छत ढह गई, जिसमें कई श्रमिक कथित तौर पर फंस गए थे। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि जेसीबी मशीनों समेत आवश्यक संसाधनों के अभाव में बचाव अभियान की गति धीमी है।

असम में अतिक्रमणकारियों में बिहार के लोग भी शामिल : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि बिहार जैसे राज्यों से होने का दावा करने वाले लोग पूर्वोत्तर राज्य में सरकारी, वन और अन्य भूमि पर अतिक्रमण करने वालों में शामिल हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार इन लोगों का विवरण उन स्थानों के प्राधिकारियों के साथ साझा करेगी, जहां से होने का ये दावा कर रहे हैं ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि वे वास्तव में ''सीमा पार'' से तो नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने गोलाघाट जिले के उरियमघाट में अतिक्रमण रोधी अभियान के लिए स्थलों का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''जब हमने अतिक्रमणकारियों की सूची देखी, तो पाया कि ये लोग सिर्फ असम से नहीं हैं। इनमें कछार, श्रीभूमि, धुबरी, होजई, नागांव, मोरीगांव जैसे जिलों के लोग हैं, साथ ही बिहार के भी लोग हैं।'' शर्मा ने कहा, ''उन लोगों ने कहा है कि वे बिहार से हैं, लेकिन वे सीमा पार से भी हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इन लोगों के नाम, पते और अन्य विवरण लिए जाएंगे तथा उस स्थान के अधिकारियों के साथ साझा किए जाएंगे जहां से वे आने का दावा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यदि वे उस क्षेत्र के वास्तविक निवासी हैं, तो हमें उनसे कोई परेशानी नहीं है। परंतु वहां के स्थायी निवासी नहीं होने पर स्थानीय अधिकारी कदम उठा सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि उरियमघाट में अतिक्रमणकारियों ने सैकड़ों बीघा वन भूमि पर कब्जा कर रखा है। शर्मा ने कहा, ''सरकार मूकदर्शक नहीं बनी रह सकती और हमें आवश्यक कार्रवाई करनी होगी। हम लोगों से सहयोग चाहते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया है कि अतिक्रमित क्षेत्रों में मादक पदार्थों का उपयोग और चोरी जैसी अवैध गतिविधियां बड़े पैमाने पर चल रही हैं और ''बहुत सारी नकारात्मक चीजें हो रही हैं''। उन्होंने कहा, ''अब सभी लोग मिलकर इस क्षेत्र को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाने के लिए काम कर सकते हैं। जमीन साफ होने के बाद स्थानीय युवा संसाधनों का उपयोग करके व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।''

शर्मा ने कहा कि अधिकांश अतिक्रमणकारी पहले ही स्थान छोड़ चुके हैं, तथा शेष लोग भी कानून के अनुसार बेदखली विरोधी अभियान शुरू होने से पहले ही स्थान छोड़ देंगे। उन्होंने बताया कि उरियमघाट के अलावा नेग्रिबिल क्षेत्र में भी बेदखली के नोटिस जारी कर दिए गए हैं। शर्मा ने उरियमघाट क्षेत्र की सीमा से लगे नगालैंड से सहयोग के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''पड़ोसी राज्य की एकमात्र चिंता यह है कि बेदखल किए गए लोग उनके राज्य में प्रवेश न करें। जब भी मैंने उनसे अनुरोध किया है, उन्होंने हमेशा हमारी मदद की है।''

मिथुन का बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को संदेश : जरूरत पड़ने पर पलटवार करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आरामबाग/भाषा। अभिनेता से भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर पलटवार करें।

दौलतपुर स्थित भाजपा के हुगली जिला कार्यालय में एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति पीटे जाने के डर के साथ युद्ध के मैदान में नहीं उतर सकता। उन्होंने कहा, ''मार खाने के बाद घर वापस मत लौटिए, यदि आवश्यक हो तो पलटवार कीजिए। आप पीटे जाने के डर के साथ युद्ध के मैदान में नहीं उतर सकते।'' चक्रवर्ती ने कहा, ''आप पीछे खड़े होकर जंग नहीं जीत सकते। आपको निडर होकर मैदान में उतरना होगा।'' राज्य में भाजपा के प्रमुख प्रचारकों में से एक बनकर उभरे इस दिग्गज अभिनेता ने जमीनी स्तर पर सक्रियता की जरूरत पर जोर दिया और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से अपने क्षेत्रों में जमीन से जुड़े रहने को कहा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निजी 'व्हॉट्सऐप' नंबर दिया और कहा, ''आपको जमीन से जुड़े रहना होगा। आप पीछे हटने का जोखिम नहीं उठा सकते। यदि पार्टी के भीतर कोई भी शिकायत है, तो मुझे सीधे बताएं।'' ये टिप्पणियां 2026 के विस चुनावों से पहले आधार को मजबूत करने की भाजपा की कोशिश को दर्शाती है। चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार महिलाओं को बुनियादी सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही है और भ्रष्टाचार से ग्रस्त है।

विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर प्रधान ने पलटवार किया, कहा

राहुल गांधी ने हमेशा झूठ की राजनीति की है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित संकाय पदों को खाली रखने संबंधी राहुल गांधी की टिप्पणी पर शुक्रवार को पलटवार किया और कहा कि कांग्रेस नेता हमेशा झूठ की राजनीति करते रहे हैं।

इससे पहले दिन में राहुल गांधी ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्त आरक्षित पदों को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और इसे न केवल लापरवाही बल्कि 'बहुजनों' को शिक्षा, शोध और नीतियों से दूर रखने की एक ''सुनियोजित साजिश'' बताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि सभी रिक्त पद तुरंत भरे जाएं और बहुजनों को उनका अधिकार मिलना चाहिए।

प्रधान ने संवाददाताओं से कहा ''जिन लोगों ने देश में आम लोगों और गरीबों के खिलाफ राजनीति की है, उनके दिलों में जहर है। जिनके दिलों में जहर है उन्हें पूरे देश में जहर ही दिखाई देगा। ईश्वर कांग्रेस पार्टी को सद्बुद्धि दें।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने हमेशा झूठ की राजनीति की है। वह और उनकी पार्टी लगातार गरीबों, शोषितों और हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ रहे हैं।'' मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान ओबीसी पदों को अक्सर ''अनुपयुक्त'' बताया जाता था और फिर उन्हें सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को दे दिया जाता था।

रोगियों को एटीएम मशीन समझने लगे हैं निजी अस्पताल: इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रोगियों के साथ एटीएम मशीन जैसा व्यवहार किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है और एक गर्भवती महिला के गर्भस्थ शिशु की मौत के मामले में शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई के विरुद्ध चिकित्सक की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि आजकल नर्सिंग होम और अस्पतालों में अपर्याप्त चिकित्सकों या बुनियादी ढांचे के बावजूद मरीजों को इलाज के लिए लुभाना आम बात हो गई है।

अदालत ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं ने मरीजों से पैसे ऐंठने के लिए उन्हें गिनी पिग/एटीएम मशीन की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसलिए, अदालत ने नर्सिंग होम के मालिक डॉ. अशोक कुमार राय की याचिका खारिज कर दी। आरोप है कि चिकित्सक ने एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए भर्ती किया और 'एनेस्थेटिस्ट' (सुन/बेहोश करने वाले चिकित्सक) के नर्सिंग होम देर से पहुंचने की वजह से काफी देर तक ऑपरेशन नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप गर्भस्थ शिशु की मृत्यु हो गई थी। चिकित्सक ने इस मामले में अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। अदालत ने याचिका खारिज कर दी और कहा कि चिकित्सा पेशेवरों को संरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन उचित सुविधाओं व बुनियादी ढांचे के बिना नर्सिंग होम चलाने वालों को नहीं। डॉक्टर इस मामले में अपने खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दे रहे थे।

जदयू-भाजपा तेजस्वी की 'हत्या' की साजिश रच रहे : राबड़ी देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने विधानसभा चुनाव से पहले उनके बेटे तेजस्वी यादव की ''हत्या'' की ''साजिश'' रची है।

'पीटीआई-वीडियो' से विशेष बातचीत में विधान परिषद में विपक्ष की नेता ने यह भी दावा किया कि तेजस्वी की हत्या की कोशिश पहले भी ''कम से कम दो, तीन या चार बार'' की जा चुकी है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता से एक दिन पहले विधानसभा के अंदर हुई घटनाओं के बारे में पूछा गया था जहां सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने निचले सदन में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ आक्रामक रुख दिखाया था।

तेजस्वी यादव की मां ने इस पर कहा, ''तेजस्वी की हत्या की कोशिश की जा रही है। बिहार में इतनी हत्याएं हो रही हैं, (वे चाहते हैं कि) एक और हत्या हो जाए। इस साजिश में जद (यू)-भाजपा के अलावा और कौन शामिल हो सकता है। वे उसे मार डालना चाहते हैं ताकि वह चुनाव में उन्हें चुनौती देने के लिए मौजूद नहीं रहे।'' उन्होंने कहा, ''तेजस्वी की हत्या की कोशिश पहले भी लगभग दो, तीन या चार बार हो चुकी है। एक बार तो एक ट्रक ने उनके वाहन को कुचलने की कोशिश की थी।''

आगामी चुनाव में पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव के विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने की उम्मीद है।

अयोध्या में सड़क पर छोड़ी गई 80 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में बृहस्पतिवार देर रात 80 वर्षीय महिला को सड़क पर छोड़ी गई महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज के निकट हुई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें दो महिलाएं और एक पुरुष बुजुर्ग महिला को ई-रिक्शा से उतारकर वहां से जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के अनुसार, उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, लेकिन अंधेरे के कारण उन लोगों की पहचान नहीं हो पाई।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस मृतक महिला की पहचान करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि महिला की गर्दन में गंभीर चोटें आई थीं और हो सकता है कि वह वह कैंसर से पीड़ित हो।

अयोध्या के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नगर) सी.पी. त्रिपाठी ने कहा, अब तक की जांच में पता चला है कि बुजुर्ग महिला को उसके रिश्तेदार देर रात ई-रिक्शा में लाए थे, और फिर उसे सड़क किनारे छोड़कर चले गए। सूचना मिलने के बाद, पुलिस महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गई, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बुजुर्ग महिला को ई-रिक्शा में लाकर सड़क किनारे छोड़ दिया गया। ई-रिक्शा में सवार लोग उसके ऊपर कंबल डालकर तुरंत वहां से चले गए।

त्रिपाठी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए दोषियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

अधिकारी ने कहा कि पुलिस निगरानी फुटेज की मदद से परिवार की तलाश कर रही है।

अलीगढ़ में बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े गोली मारकर बिल्डर की हत्या की

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। अलीगढ़ के हरदुआगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सोनू चौधरी (32) के रूप में हुई, जो हरदुआगंज थाना क्षेत्र के अपने गांव कोंडरा से तालानगरी औद्योगिक परिसर जा रहा था। चौधरी प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं के साथ अपनी निकटता के लिए जाना जाता था।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को वह अपनी एसयूवी कार से जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार दो हथियारबंद लोगों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। पुलिस ने का कि गोलियां कार के शीशे को चीरती हुई निकल गईं और चौधरी को गहरी चोट आईं, इसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन बदमाश भाग गए। छर्रा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) धनंजय ने पत्रकारों को बताया कि घायल व्यक्ति को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हरदुआगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक धीरज यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अनहत ने विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैरो/भाषा। युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनहत सिंह शुक्रवार को यहां विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल सेमीफाइनल में मिस्र की नाडिएन एलहमामी से हार गईं जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंत में मिस्र की खिलाड़ी से 6-11, 12-14, 10-12 से हार गईं।

सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही 17 वर्षीय अनहत 2010 में दीपिका पल्लीकल के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं थीं। अगर वह जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं।

पंत ने वो कर दिखाया जिसका दूसरे केवल सपना देख सकते हैं : डेविड गॉवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर को इस बात में जरा भी संदेह नहीं है कि वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं लेकिन उन्होंने कहा कि ऋषभ पंत वो कर दिखाया है जिसका 'दूसरे केवल सपना देख सकते हैं'।

खेल के सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाजों में से एक गॉवर ने यहां खेले जा रहे चौथे टेस्ट के दूसरे दिन पैर में फ्रेक्चर के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरने की प्रशंसा की। 68 वर्षीय गॉवर

ओल्ड ट्रैफर्ड में चल रहे मैच के दौरान लंकाशर क्रिकेट क्लब के साथ काम कर रहे हैं। गॉवर ने पीटीआई को बताया, ''हमने हमेशा कहा है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज सर्वश्रेष्ठ होते हैं। किसी वजह से जब आप बाएं हाथ के बल्लेबाजों को देखते हैं तो वे दाएं हाथ के बल्लेबाजों से ज्यादा शालीन लगते हैं। मैंने बचपन से ही बाएं हाथ के कई बेहतरीन

बल्लेबाजों को खेलते देखा है जैसे गैरी सोबर्स। और जब मैं पहली बार कमेंट्री बॉक्स में आकर इनका जिक्र कर रहा था तो ब्रायन लारा शायद उनमें से सबसे बेहतरीन थे। '' उन्होंने कहा, ''अब हमारे पास बेन डकेट नाम का खिलाड़ी है। उसकी शैली मुझसे बिल्कुल अलग है। लेकिन उसे देखना अद्भुत है। लेकिन जब आप इस शृंखला के संदर्भ में बात करते हैं तो आप ऋषभ पंत को नहीं भूल सकते। '' गॉवर ने कहा कि अगर पंत शृंखला के बाकी मैचों से बाहर हो जाते हैं तो उनकी अनुपस्थिति में शृंखला नीरस हो जाएगी।

उन्होंने कहा, ''बहुत अफसोस है कि वह चोटिल हो गया है। अगर यह गंभीर है तो वह शृंखला से बाहर हो जाएगा। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो वो सब करता है जिसके बारे में दूसरे लोग सिर्फ सपने देखते हैं। वह असाधारण खिलाड़ी हैं और उन्हें खेलते हुए देखना शानदार है। '' गॉवर ने कहा, ''जब आपके पास ऐसा कोई खिलाड़ी हो जो खेल के इस प्रारूप में इतना शानदार खेलता है तो आप उसकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकते। ''

रूट की नाबाद शतकीय पारी से इंग्लैंड मजबूत स्थिति में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर /भाषा। जो रूट की नाबाद शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पांच मैचों की शृंखला के चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन चाय के विश्राम तक चार विकेट पर 433 रन बनाकर अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। इंग्लैंड अब भारत की पहली पारी में 358 रन से 75 रन आगे है और उसके छह विकेट बाकी है।

लंच के लिए खेल रोके जाते रूट 121 रन बनाकर क्रीज डटे हुए थे जबकि कप्तान बेन स्टोक्स 36 रन के साथ उनका साथ दे रहे थे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 84 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। रूट इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दिन के पहले सत्र में सबसे ज्यादा टेस्ट रन के मामले में भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (13288) और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान हरफनमौला जैक कैलिस (13289) को पीछे छोड़ने वाले रूट अपनी शतकीय पारी के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (13378) से भी आगे निकल गए। वह अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (15921) से पीछे है। भारतीय गेंदबाजों के लिए दिन का पहला सत्र निराशाजनक रहा लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने दूसरे सत्र की शुरुआत में ओली पोप (71) और हैरी ब्रुक (तीन) के विकेटों के साथ भारत को दो सफलता दिलाई। रूट और पोप ने तीसरे विकेट के लिए 144 रन की साझेदारी की।

सुविचार

अपने आप को पहचानें और आपको अपने आप में एक अद्वितीय शक्ति मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मनोरंजन या नैतिक पतन?

केंद्र सरकार ने अश्लीलता फैला रहे 20 से ज्यादा ऐप पर प्रतिबंध लगाकर सख्त संदेश दिया है। डिजिटल क्रांति के इस युग में सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का बहुत विस्तार हुआ है। इन पर अश्लील और अभद्र सामग्री की बौछार हो गई है। कौनसा दृश्य कब परिवार के सामने असहज कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता! अब तो परिवार के साथ बैठकर टीवी देखने का चलन लगभग खत्म हो गया है। ऐसी फिल्मों और धारावाहिकों का निर्माण भी नहीं होता, जो पूरे परिवार को स्वस्थ मनोरंजन उपलब्ध कराएं। उनमें द्विअर्थी संवादों की इतनी भरमार हो गई है कि छोटे बच्चे उन्हें दोहराते मिल जाएंगे। यह कोई गर्व करने का विषय नहीं है। कई धारावाहिक न कोई अच्छा संदेश देते हैं और न उनसे स्वस्थ मनोरंजन ही होता है। फिर भी उन्हें सालों-साल खींचा जाता है। मनोरंजन उद्योग को जवाबदेह बनाना होगा। अश्लीलता का सिलसिला अब आगे नहीं बढ़ना चाहिए। महिलाओं के अपमानजनक चित्रण को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। सरकार का यह कदम सराहनीय और स्वागत योग्य है। इसके साथ ही ऐसी फिल्मों, धारावाहिकों और वेब सीरीजों का निर्माण करना होगा, जो देशभक्ति का संदेश दें, जिनसे समाज में सद्भाव पैदा हो, परिवार में प्रेम का वातावरण बने। भले ही फिल्म, वेब सीरीज आदि कम बनें, लेकिन अच्छी बनें। यूट्यूब पर अस्सी और नब्बे के दशक के कई धारावाहिक आज भी बहुत देखे जाते हैं। उनमें न कोई अश्लीलता मिलेगी, न कोई द्विअर्थी संवाद होगा। उन्हें परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकता है। हर दशक में लोगों की पसंद में कुछ बदलाव आता है। क्या देशभक्ति के आदर्श और पारिवारिक मूल्यों को लेकर आज अच्छी सामग्री का निर्माण नहीं किया जा सकता?

बिल्कुल किया जा सकता है, लेकिन लोगों को उनका समर्थन करना होगा। प्राय: निर्माताओं की शिकायत रहती है कि अच्छी सामग्री को लोग ज्यादा पसंद नहीं करते। हमें इस धारणा को बदलना होगा। मनोरंजन सिर्फ इसलिए नहीं होता कि कोई व्यक्ति समय बिता सके। उसे अच्छा संदेश भी मिलना चाहिए। अगर किसी सामग्री को देखने के बाद व्यक्ति का नैतिक पतन हो, उसकी बोलचाल में अभद्र शब्द शामिल हो जाएं, वह कुंठित महसूस करे, वह अपराध करने में रुचि लेने लगे तो ऐसी सामग्री खतरनाक है। उस पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में वैसी सामग्री दोबारा कहीं दिखाई न दे। अभिव्यक्ति की आज़ादी का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि अश्लीलता परोसने की छूट दे दी जाए। जो व्यक्ति ऐसी सामग्री का निर्माण करता है, जिससे हजारों-लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं, उसे बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। प्राय: आपत्तिजनक दृश्यों के पक्ष में ऐसी दलील दी जाती है कि यह तो 'सीन की डिमांड' थी। सवाल है- ऐसी डिमांड पैदा ही क्यों की जाती है? क्या कोई विवश करता है? स्पष्ट है कि जानबूझकर ऐसे दृश्य डाले जाते हैं। उन्हें 'कला' कहकर प्रचारित किया जाता है। ऐसी सामग्री का मुफ्त में प्रचार करने के लिए एक और हथकंडा अपनाया जाता है। सबसे पहले सोशल मीडिया में यह जानकारी पेश की जाती है कि फलां फिल्म में ऐसा दृश्य है, जो किसी की भावनाओं को आहत कर सकता है। देखते ही देखते देशभर में उसकी चर्चा होने लगती है। कुछ लोग एफआईआर दर्ज करा देते हैं, टीवी चैनलों पर तीखी बहसें होने लगती हैं। कुछ दिनों तक माहौल को गरमाया जाता है। एक दिन अचानक खबर आती है कि निर्माता वह दृश्य हटाने के लिए सहमत हो गए हैं। इसके बाद विरोध-प्रदर्शन रुक जाते हैं। सिनेमाघरों में भीड़ उमड़ने लगती है। अगर कोई निर्माता अभद्र, अश्लील और आपत्तिजनक दृश्य डालता है तो सबसे अच्छा उपाय है- उसकी फिल्म देखने ही न जाएं। जिसे एक बार करोड़ों रुपए का भारी घाटा हो जाएगा, वह अगली बार वैसी फिल्म नहीं बनाएगा।

ट्वीटर टॉक

झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र में विद्यालय की छत गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि अत्यंत पीड़ादायक है। इस हृदयविदारक घटना की गंभीरता को देखते हुए दो दिवसीय भरतपुर-डीग दौरा तत्काल प्रभाव से रद्द कर झालावाड़ के लिए प्रस्थान कर लिया है।

-मदन दिलावर

कारगिल विजय के गौरवशाली दिवस से पूर्व, आज लोकसभा में माननीय सदस्यों द्वारा भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अद्वितीय बलिदान को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई यह दिन उन वीर सपूतों के अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा का स्मरण कराता है।

-ओम बिरला

झालावाड़ के पीपलोदी में विद्यालय की छत गिरने की दुखद घटना अत्यंत पीड़ादायक और हृदय को व्यथित करने वाली है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

उदारता की मिसाल

महाराजा रणजीत सिंह केवल कुशल राजनीतिज्ञ ही नहीं थे, बल्कि वे सरलता और सहनशीलता के भी धनी थे। एक बार वे किसी सभा में बैठे थे कि अचानक कहीं से एक पत्थर आकर उन्हें लग गया। पता लगाने पर मालूम हुआ कि वह पत्थर एक बालक ने फेंका था। लड़के ने पत्थर बेल के वृक्ष के फल को निशाना बनाकर ऊपर फेंका था, किंतु वह फल को न छूकर महाराजा के शरीर पर लगा। महाराजा ने हुक्म दिया कि उस बच्चे को उनके सामने बुलाया जाए। सभा में मौजूद लोग आशंका करने लगे कि महाराजा रुष्ट होकर उस बालक को कड़ी सजा देंगे। परन्तु आश्चर्य यह हुआ कि महाराजा ने अपने हाथ से सोने का बाजूबंद उतारकर उस बच्चे को भेंट कर दिया। भयभीत बालक के मुरझाए चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। सभा के सदस्यों ने हैरत से कहा, 'महाराज, आपने यह क्या किया? इस लड़के को तो दंड मिलना चाहिए था।' महाराजा ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, 'यदि बालक का फेंका हुआ पत्थर वृक्ष को लगता, तो उसे फल मिलता। क्या रणजीत सिंह के शरीर पर लगने से कोई फल नहीं मिलना चाहिए?' महाराजा का यह उत्तर सुनकर सभा के सदस्य सन्न रह गए।

सामयिक

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता : एक क्रांतिकारी कदम

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

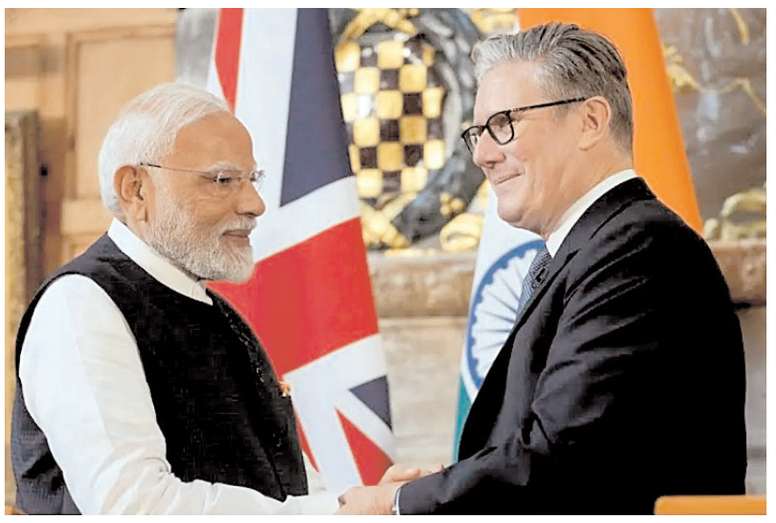

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागज़ी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं।

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है।

मोदी के 'मेड इन इंडिया' संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों को अब अनेक सुविधाएं मिलेगी। साल 2014 के बाद से भारत ने मॉरिशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री व्यापारिक समझौते किये हैं। ईएफटीए का अर्थ है यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ। यह एक क्षेत्रीय व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार क्षेत्र है जिसमें चार यूरोपीय देश शामिल हैं- आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड। यूरोप से बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। अर्थ-व्यवस्था के मोर्चे पर आने वाली चुनौतियों से निपटने में ऐसे समझौते सहायक होंगे। इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील होती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर कदम बढ़ेंगे। लेकिन ब्रिटेन से समझौता केवल व्यापार नहीं, भविष्य का निर्माण है। यह कृषि को समृद्धि, उद्योग को विस्तार, युवाओं को अवसर, और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर सशक्त करता है। निश्चित ही जहां बाजार बनते हैं अवसरों के, वहीं नीति बनती है भविष्य की नींव। भारत और ब्रिटेन के इस करार से विश्व सुनेगा अब भारत की गूंज!

नजरिया

देश के वीर सैनिकों के बलिदान की तुलना में हम कहां हैं?

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 82374 17041

देश के वीर सैनिक देश का गौरव हैं, जो देश की रक्षा के लिए सदैव कर्तव्य पथ पर तैनात रहते हैं। चाहे कैसी भी आपदा या संकट हो, वे डरते नहीं हैं; चाहे चिलचिलाती धूप हो या खून जमा देने वाली ठंड, घने जंगल हो, ऊँचे पहाड़ हो या मानसूनी तूफान, देश का सैनिक अपनी भूमिका बखूबी निभाता है। कई स्थितियों में भूखे-प्यासे रहकर, असुविधाओं से जूझकर, मौत को आगे देखकर भी वह जवान कभी पीछे नहीं हटते, बहादुर सैनिक अपने कर्तव्य और देश की रक्षा के लिए शहीद हो जाते हैं। देश के वीर सैनिकों के प्रति जो सम्मान, आदर और गर्व हमारे मन में है, क्या उतना ही सम्मान देश के वीर सैनिकों के मन में हमारे लिए है? देश में हर दिन नए विवाद और नई समस्याएँ उत्पन्न होती नजर आती है। संगीन अपराधो का ग्राफ तो ऐसा तेजी से बढ़ रहा है कि, छोटे-छोटे बच्चे भी उनमें सक्रीय नजर आते है। रिश्तों को कलंकित करने वाली घटनाएं तो अब रोजाना ही देखने-सुनने मिलती है। लोगों के लिए मर्यादा, पवित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता, विश्वसनीयता, सहनशीलता, स्वाभिमान, आत्मसन्मान जैसे शब्दों का मोल खत्म होकर लालच, द्वेष, उग्रता, धोखाधड़ी, झूठ, दिखावा, भ्रष्टाचार, अश्लीलता, चापलूसी, जालसाजी, कथनी-करनी में अंतर और स्वार्थ आ गया है। हर कोई अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण, समाज और देश को अनावश्यक रूप से खोखला करने का प्रयास कर रहा है। देश में लोगों की ऐसी परिस्थिति को देखकर वीर जवान को क्या महसूस होता होगा? क्या कभी लोगों के मन में वीर जवानों की भांति जीने का ख्याल नहीं आता।

वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय के उपलक्ष्य में कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिवस उन भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करता है जिन्होंने पाकिस्तानी सेना द्वारा कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के लिए लड़ाई लड़ी थी। कारगिल विजय दिवस चुनौतीपूर्ण ऊँचाई वाली परिस्थितियों में लड़ने वाले जांबाज भारतीय सैनिकों के साहस, वीरता और बलिदान को दर्शाता है। यह दिवस भारत की अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। कारगिल विजय दिवस राष्ट्रीय गौरव और स्मरण का दिवस है, जो वीरता और बलिदान की कहानियों से भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। देश में ऐसे विजय दिवस हमें हर पल प्रेरित करते है, साथ ही यह भी गौरव होता है कि देश की सुरक्षा भारतीय सैनिकों के हाथों में महफूज है। लेकिन उनकी तुलना में जब हम अपने आसपास का वातावरण देखते है तो लगता है कि क्या, हम जैसे स्वार्थी लोगों के लिए देश का जवान सरहद पर इतनी तकलीफे सहता है।

नेता चुनाव के बाद 5 साल होते ही फिर जनता के बीच जाकर अभिनय कला शुरू कर देते है और चुनाव खत्म होते ही पूर्व की भांति हो जाते है, कई नेता तो चुनाव के प्रचार के वक्त आम जनता के घर, खेत और कार्यस्थल में जाकर भी लोगों के काम में हाथ बटाते हुए मीडिया में छाए नजर आते है। जनता को भोला कहे या मूर्ख, जनता जिस नेता को जनप्रतिनिधि चुनकर जनकल्याण के लिए 5 साल के कार्यकाल के लिए ऊंचे-ऊंचे पद पर विराजमान करती है, अगर वह नेता योग्य नीति से जनकल्याण कार्य करने में असफल होता है तो, उस नेता से जवाब पूछने में चुनकर देनेवाली जनता खुद ही डरती है। कितने लोग अपने नेता, सांसद, विधायक, पार्षद या अपने इलाके के संबंधित जनप्रतिनिधियों से सवाल पूछते हैं या जवाब मांगते हैं? एक नेता जितना ऊंचा पद धारण करता है, वह जनता के प्रति उतना ही अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह होता है। अगर देश के नेता अपनी जिम्मेदारी और फर्ज को पूरी सत्यनिष्ठा और देशप्रेम से वीर जवानों की भांति निभाए, तब देश में कोई समस्या ही नहीं रहेगी।

मैं अपने जीवन के छोटेसे अनुभव को आप सभी के साथ सांझा कर रहा हूँ, मैं महाविद्यालयीन शिक्षा प्राप्त करने के दौरान राष्ट्रीय कैडेट कॉर्प्स का भी छात्र रहा, तब हम छात्र सैन्य कैंप में जाकर बहुत कुछ सीखते थे, दिसंबर की ठंड में जंगल के उस एनसीसी कैंप में रात भर हर छात्र की ड्यूटी 2 घंटे के लिए टेंट के बाहर सुरक्षा के तौर पर लगायी जाती थी, रात के 1 बजे या 3 बजे हो छात्र को नींद से जागकर, पूरी वर्दी पहनकर, तैयार होकर टेंट के बाहर हमें संत्री की ड्यूटी करनी पड़ती थी। 25 किलोमीटर लगातार जंगल ट्रैकिंग करना, अपने-अपने टेंट की जमीन को रोज गोबर से पोतना, विविध स्पर्धाओं में भाग लेना। सुबह 5 बजे उठकर, तैयार होकर रिपोर्टिंग करना, रोज बिना शिकायत के अपना पूरा काम खुद करना, तय समय पर नास्ता, दोपहर और रात का खाना खुले घास के मैदानों में बैठकर करना। दिनभर के काम से शरीर इतना थक जाता था कि लेटते ही गहरी नींद लग जाती थी, थोडीसी भी गलती पर सख्त सजा मिलती थी। देश के कोने-कोने से आने वाले छात्र अपनी विविध कला-कौशल का बेहतर प्रदर्शन करते थे। सामूहिक कार्य, सद्भावना, देशप्रेम, तत्परता, निष्ठा, लगन, मेहनत, समर्पण भाव का एक अनूठा संगम देखने मिलता था और उसका एक भाग बनकर गर्व होता था। वो दिन मुझे जीवन में बहुत कुछ सीखा गए, जीवन में नियम और अनुशासन बेहद जरुरी है।

समस्याओं की जड़ को समझने के बजाय लोग बाहरी आवरण को देखकर या झूठे दिखावे का शिकार होकर अपनी धारणाएं बनाकर समस्याओं को अधिक बढ़ा देते हैं। प्रत्येक के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएँ और योग्यता के अनुसार रोज़गार या व्यवसाय सेवा, एक मज़बूत देश की पहचान हैं। अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूक हुए बिना हम बेकार की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और आपस में लड़ते-झगड़ते हैं, जिनका हमारे जीवन से कोई संबंध नहीं होता। विश्वास नहीं होता लेकिन, समाज में 8-11 साल के बच्चे 4-5 साल की बालिका के बलात्कार में दोषी होने की घटनाएं हो रही है। अभिभावकों को बच्चों के साथ या उनके सामने कैसा व्यवहार करना है, यह तक पता नहीं है। मोबाइल, सोशल मीडिया, फैशन ने बच्चों से उनका बचपन, मासूमियत छीन ली है। वीर शहीद जवानों, महापुरुषों, क्रांतिकारी देश भक्त, समाज सुधारकों, पराक्रमी राजा-महाराजाओं की प्रेरणात्मक गाथा को जानने के लिए बजाएं आजकल फिल्मी सितारों, ऑनलाइन गेम्स, टाइम-पास मनोरंजन, फूहड़ता को देखने-जानने के लिए अपना कीमती समय गवांते हैं। लोग सिर्फ़ जीभ के स्वाद के लालच के कारण अस्वास्थ्यकर भोजन पसंद करते हैं। मानवीय आलस्य, नशाखोरी, प्रदूषण और मिलावट ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को कमज़ोर कर दिया है, लेकिन लोग स्वास्थ्य महत्व नहीं देते, जो सबसे ज़रूरी बात है।

स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे एक दिन के लिए हम आम लोगों में देशभक्ति जागती है, खूब तिरंगे खरीदकर घूमते-फिरते, रैली निकालते है, देशभक्ति के गानों में सराबोर हो जाते है, खूब इंजॉय करते है और दूसरे दिन हमारे आसपास सड़कों पर, कूड़े में, जहा-तहा वे तिरंगे ध्वज खराब अवस्था में पड़े हुए होते है। देश के तिरंगे ध्वज को इतना सस्ता ना बनाओ कि खिलौने की भांति खेलकर दूसरे दिन वह कूड़े में मिलें। ध्वज की कीमत पैसे से नहीं अपितु देश के सम्मान से है, जिसकी कोई कीमत नहीं हो सकती। इसी तिरंगे की रक्षा और सम्मान की खातिर वीर जवान बलिदान देता है, फिर उस जवान की तुलना में हम लोग कहा है। आजादी का यह पर्व हमें किन स्थितियों में, कितने त्याग, संघर्ष और बलिदानों के बाद मिला, क्या कभी इसका एहसास हमारे मन-मस्तिष्क को झंझोड़ता है? आजादी के लिए असंख्यों ने अपना सब कुछ खो दिया ताकि हम लोग यह दिन देख सकें। देश के प्रत्येक नागरिक, नेता हो या मामूली कर्मचारी, मालिक हो या नौकर, व्यवसायी हो या मजदूर सबने अपने जीवन के कुछ साल देश सेवा के लिए सैनिक के रूप में जरूर देना चाहिए, ताकि अनुशासन, देशभक्ति और कर्तव्यपरायणता का असल मतलब जान पाएं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विकास सौधा में हुई पीएम-वीबीआरवाई पर बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार मधुमिता दास की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास सौधा में एक उच्च-स्तरीय राज्य सरकार परामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन ईपीएफओ, बेंगलूरु क्षेत्र द्वारा किया गया था। बैठक में कर्नाटक सरकार के विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिनमें श्रम विभाग, उद्योग और वाणिज्य विभाग, बड़े और मध्यम उद्योग विभाग, शहरी विकास विभाग, कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका विभाग, सूचना और जनसंपर्क विभाग, कर्नाटक राज्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड, कर्नाटक उद्योग मित्र, कर्नाटक राज्य लघु उद्योग विकास निगम शामिल थे। बैठक में कर्नाटक राज्य के सभी जिला उद्योग अधिकारियों, जिला रोजगार अधिकारियों और जिला श्रम अधिकारियों ने भी वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

कुल 31 ऑफ़लाइन और 138 ऑनलाइन प्रतिभागियों के साथ, इस सभा का उद्देश्य पीएम-वीबीआरवाई/ईएलआई योजना के रणनीतिक कार्यान्वयन पर चर्चा करना था। यह सत्र जागरूकता बढ़ाने, दृष्टिकोण साझा करने और राज्य में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, कार्यबल की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सामान्य रोडमैप पर हितधारकों को एकजुट करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया।

अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, ईपीएफओ अनीता सिन्हा दीक्षित ने उपस्थित लोगों/प्रतिभागियों का स्वागत किया और पीएम-वीबीआरवाई का संक्षिप्त परिचय दिया और देश में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने में इसके महत्व को समझाया। बैठक में सभी सहभागी संस्थाओं ने व्यापक विचार-विमर्श किया। जिला उद्योग अधिकारियों और जिला रोजगार अधिकारियों द्वारा योजना के संबंध में उठाए गए प्रश्नों का समाधान किया गया।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी चिंताओं का समाधान किया और ईपीएफओ के माध्यम से योजना को प्रौद्योगिकी-सक्षम, पारदर्शी और समावेशी रूप से लागू करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. सेल्वाकुमार ने पीएम-वीबीआरवाई के लिए व्यापक सूचना प्रसार अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इसके बाद उद्योग स्वयं ही इसका लाभ उठा सकेंगे। श्रम मंत्रालय की सचिव रोहिणी सिंधुरी डी ने प्रशिक्षण विभाग, श्रम विभाग और उद्योग विभाग जैसे विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर ज़ोर दिया ताकि प्रभावी रूप से आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें ताकि दो वर्ष की पंजीकरण अवधि का उपयोग नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लाभ के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सके। श्रम आयुक्त एचएन गोपालकृष्ण ने कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में लाभ वितरण को अधिकतम करने के लिए नियोक्ताओं, नियोक्ता संघों, उद्योग निकायों को इस योजना के बारे में जागरूक करने पर ज़ोर दिया। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार मधुमिता दास ने अपने समापन भाषण में कहा कि ईपीएफओ द्वारा जारी वेतन आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक नए रोजगार प्रदान करने वाले अग्रणी राज्यों में से एक है। राज्य के लिए यह आवश्यक है कि वह इस योजना के क्रियान्वयन में पहल करे और योजना में परिकल्पित लाभों को प्रदान करने में अग्रणी राज्य बने। हमें एमएसएमई क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिसमें नए रोजगार सृजित करने और नए कर्मचारियों तथा उनके नियोक्ताओं को अधिकतम लाभ प्रदान करने की क्षमता है। कैबिनेट ने सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम वीबीआरवाई)/रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को मंजूरी दी। विनिर्माण क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और पहली बार रोजगार पाने वालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। पहली बार रोजगार पाने वालों को दो किस्तों में 15,000/- तक एक महीने का वेतन मिलेगा। यह योजना/स्कीम 1 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन को समर्थन देने के लिए शुरू की गई है।

ट्राई ने मेरठ शहर और दिल्ली से मेरठ राजमार्ग पर नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मेरठ शहर और दिल्ली से मेरठ राजमार्ग पर नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया। उसने जून में व्यापक शहर/राजमार्ग मार्गों को कवर करते हुए उत्तर प्रदेश (पश्चिम) लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) के लिए अपने स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) निष्कर्ष जारी किए।

ट्राई के क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली की देखरेख में आयोजित ड्राइव टेस्ट को विभिन्न उपयोग वातावरणों शहरी क्षेत्रों, संस्थागत हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और हाई-स्पीड कॉरिडोर में रीयल वर्ल्ड मोबाइल नेटवर्क के निष्पादन को आंकने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। टीमों ने 2 जून से 4 जून के बीच 216.2 किलोमीटर सिटी ड्राइव टेस्ट, 64.9 किलोमीटर हाईवे ड्राइव टेस्ट, 9 हॉटस्पॉट स्थानों और 2 स्थानों पर इंटर-ऑपरेटर कॉलिंग में विस्तृत परीक्षण किए। मूल्यांकन की गई तकनीकों में 2जी, 3जी, 4जी और 5जी शामिल हैं, जो विभिन्न क्षमताओं वाले हैंडसेट में उपयोगकर्ताओं के सेवा अनुभव को दर्शाती हैं।

आईडीटी के निष्कर्षों के बारे में सभी संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को पहले ही सूचित किया जा चुका है। एयरटेल ने टिप्पणी की है कि कॉल सेटअप समय (सीएसटी) उच्च स्तर पर है, जबकि ग्राहक जागरूकता के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा अनिवार्य प्री-कॉल अनाउंसमेंट (पीसीए) के कारण कॉल सेटअप सफलता दर (सीएसएसआर) अपेक्षाकृत कम है।

प्राधिकरण ने चौधरी चरण सिंह विवि, जिला और सत्र न्यायालय, आईआईएमटी विवि, मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड, पीवीएस मॉल, एसडीएस ग्लोबल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और सेंट फ्रांसिस वर्ल्ड स्कूल जैसे प्रमुख हॉटस्पॉट का भी मूल्यांकन किया।

करगिल युद्धः सलमान के चुटकुलों पर सैनिकों के ठहाके; घायल सैनिकों को देख सुनील के बहे थे आंसू

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 1999 में करगिल युद्ध के दौरान घायल सैनिक अस्पताल में उनसे मिलने आए बालीवुड अभिनेताओं सलमान खान, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन और शबाना आजमी जैसे कलाकारों को देखकर हैरान रह गए थे। एक नई किताब में इस किस्से का जिक्र किया गया है।

बॉलीवुड कलाकारों का एक समूह युद्ध के दौरान सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए करगिल पहुंचा था और घायल सैनिकों से अस्पताल में जाकर मुलाकात की थी। भारत इस शनिवार को करगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मना रहा है। डा. अरूप रतन बसु द्वारा लिखित 'द करगिल वॉर: सर्जन्स टेस्टिमनी' में युद्ध के दौरान सेना की एक चिकित्सा इकाई के अंदर के प्रत्यक्ष विवरण प्रस्तुत करती है।

पुस्तक में लगातार गोलाबारी के बीच घायल सैनिकों की सर्जरी करने से लेकर हवाई मार्ग के जरिये फिल्मी सितारों को सैनिकों से मिलने के लिए भेजने तक की कहानी शामिल है।

चिकित्सा इकाई में उस समय मौजूद रहे डॉक्टर, सलमान खान के मजेदार चुटकुलों, जावेद जाफरी के नृत्य, सुनील शेट्टी की नम आंखों, पूजा बत्रा की इस मुलाकात में उदासीनता और अभिनेताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाने की होड़ में लगे सैनिकों के बीच उत्साह का माहौल याद करते हैं।

डॉक्टर ने अपनी पुस्तक में लिखा है, सुनील शेट्टी अंदर आए, उनके बाद कई और हस्तियां आईं, जिनमें गीतकार जावेद अख्तर और उनकी पत्नी व अभिनेत्री शबाना आजमी भी शामिल थीं। मैंने शरद कपूर को भी पहचान लिया, जो टेलीविज़न पर दिखाई देते थे लेकिन उतने मशहूर नहीं थे। उन्होंने उस किस्से के बारे में लिखा, फिल्मी सितारे करगिल पहुंच चुके थे। उनके आने का मकसद घायल सैनिकों का मनोबल बढ़ाना था। उन्होंने मरीजों का हालचाल जानना शुरू किया और मैं उनके साथ वार्ड में गया था। किताब के अनुसार,'' शबाना, अख्तर और अभिनेता विनोद खन्ना ने घायल सैनिकों के प्रति वास्तविक चिंता दिखाई जबकि सलमान खान, रवीना टंडन, जावेद जाफरी और पूजा बत्रा जैसे अन्य लोग रोजमर्रा की ही तरह बातचीत करते दिखे। उदाहरण के लिए, सलमान खान पूरी मुलाकात के दौरान फालतू के चुटकुले सुनाते रहे।डॉक्टर ने लिखा है, उन्हें (सलमान) यह भी नहीं पता था कि वे करगिल में हैं या द्रास या फिर लेह में। मुझे नहीं लगता कि इससे उन्हें कोई फर्क पड़ा। रवीना टंडन हर मरीज से एक ही बात दोहराती रहीं, 'हैलो भैया, कैसे हो? क्या तुमने मुझे पहचाना? मैं रवीना हूं।' जब उन्होंने यह बात आंशिक रूप से बेहोश मरीज से पूछी, तो उस सैनिक ने बस अपनी आंखें बंद कर लीं। लेखक ने किताब में लिखा, जावेद जाफरी अपने ब्रेकडांस से अस्पताल के कर्मचारियों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे जबकि पूजा बत्रा इस पूरे मामले में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं ले रही थीं। वह वहां से जाने को आतुर लग रही थीं। मुझे लगा कि शायद उन्हें युद्ध क्षेत्र में होने का डर था। उन्होंने पुस्तक में लिखा कि एक चीज जो अच्छी थी वह ये कि फिल्मी सितारों को सामने देखकर सैनिकों के चेहरों पर उत्साह साफ झलक रहा था। सर्जन ने लिखा कि इन मशहूर हस्तियों की मौजूदगी की खबर पूरे अस्पताल में तेजी से फैल गई और यहां तक कि क्लर्क, धोबी, रसोइया और अन्य लोग, जो पहले कभी वार्ड में कदम तक नहीं रखते थे,वे भी तस्वीरें लेने के लिए वहां पहुंच गए।

दुनिया की नौ फीसदी से अधिक भू-भाग को पशुओं से इंसानों में फैलने वाले संक्रमण का खतरा अधिक : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के नौ प्रतिशत से अधिक भू-भाग को जूनोटिक प्रकोप यानी जानवरों से इंसानों में फैलने वाले संक्रमण का 'उच्च' या 'अत्यधिक' खतरा है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है।

'साइंस एडवांसेज' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्षों में यह भी अनुमान लगाया गया कि वैश्विक आबादी का तीन प्रतिशत हिस्सा अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में और लगभग पांचवां हिस्सा मध्यम जोखिम वाले क्षेत्रों में रह रहा है।

शोधकर्ताओं ने 'वैश्विक संक्रामक रोग एवं महामारी विज्ञान नेटवर्क' आंकड़ों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की प्राथमिकता वाली बीमारियों की सूची से स्थान-विशिष्ट जानकारी का विश्लेषण किया। इन स्थानों को स्थानिक महामारी या वैश्विक महामारी के पनपने की उनकी क्षमता के अनुसार वर्गीकृत किया गया।

शोधकर्ताओं में इटली स्थित यूरोपीय आयोग के संयुक्त अनुसंधान केंद्र (जेआरसी) की वैज्ञानिक विकास कार्यक्रम इकाई के शोधकर्ता भी शामिल थे।

कोविड, इबोला, कोरोनावायरस से संबंधित एमईआरएस व एसएआरएस और निपाह डब्ल्यूएचओ की सूची में सबसे ज्यादा प्राथमिकता वाले संक्रमणों में शामिल हैं। शोधकर्ताओं के विश्लेषण से पता चला कि जलवायु परिवर्तन से प्रेरित परिस्थितियां जैसे उच्च तापमान व वर्षा और पानी की कमी 'जूनोसिस' (जानवरों से इंसानों में होने वाली बीमारी) के जोखिम को बढ़ाती हैं।

'120 बहादुर' टीजर रिलीज से पहले फरहान अख्तर करेंगे जोधपुर दौरा, मेजर शैतान सिंह को देंगे श्रद्धांजलि!

मुंबई/एजेन्सी

फरहान अख्तर '120 बहादुर' टीज़र रिलीज से पहले पहुंचेंगे जोधपुर, मेजर शैतान सिंह की वीरता को करेंगे नमन! फरहान अख्तर की आने वाली वॉर फिल्म 120 बहादुर दर्शकों को रेजांग ला की कठिन वादियों में लेकर जाएगी, जो भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे बहादुर लेकिन कम जानें जाने वाले किस्सों में से एक है। 1962 भारत-चीन युद्ध के दौरान हुए ऐतिहासिक रेजांग ला की लड़ाई पर बनी इस फिल्म में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की कहानी दिखाई जाएगी, जिन्होंने 16,000 फीट की ऊंचाई पर पूरी चीनी बटालियन का मुकाबला किया था। फिल्म का टीज़र 2 अगस्त को रिलीज होगा।

फरहान अख्तर जल्द ही जोधपुर जाएंगे, जहां वे बहादुर सैनिक मेजर शैतान सिंह को श्रद्धांजलि देंगे। यह दौरा उनकी आने वाली फिल्म 120 बहादुर के टीज़र लॉन्च से पहले हो रहा है, जो 2 अगस्त में आएगा। मेजर शैतान सिंह ने देश के लिए जो साहस दिखाया, उसे याद करने और सम्मान देने के लिए यह एक खास मौका होगा। यह फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध में लड़े सैनिकों की सच्ची और भावुक कहानियां दिखाएगी, और फरहान की यह यात्रा उस जुड़ाव को और मजबूत बनाती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश 'रेज़ी' घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैपी स्टूडियोज) ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी!

साउथ की फिल्मों के सेट पर अनुशासन देखने को मिलता है : पायल घोष

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पायल घोष ने साउथ इंडस्ट्री और बॉलीवुड की तुलना करते हुए अपनी बातें रखी। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में प्रोफेशनल तरीके के साथ काम किया जाता है। अभिनेत्री ने कहा, मैंने साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में काम किया है और दोनों में मेरा काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें साउथ इंडस्ट्री बॉलीवुड के मुकाबले थोड़ा ज्यादा प्रोफेशनल लगता है। साउथ इंडस्ट्री में लोगों को पता रहता है कि उन्हें क्या करना है और कमाल की बात यह है, जब वहां की फिल्में शूट होती है, तो उस दौरान सभी का व्यवहार एक दूसरे को लेकर समान देखने को मिलता है, चाहे वह मुख्य कलाकार हो या फिर कोई क्रू। इसी के साथ ही अगर शूट का समय सुबह 7 बजे है, तो मुख्य किरदार समेत सभी लोग समय से सेट पर पहुंच जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण की फिल्मों के सेट पर अनुशासन होता है, लेकिन बॉलीवुड में अपने हिसाब से काम करने में विश्वास रखा जाता है। कई बार मैंने खुद देखा है कि बॉलीवुड में कहते कुछ हैं, और अंत में जो होता है वह बिल्कुल अलग होता है। जैसे कि अगर उन्होंने कहा है कि सुबह 7 बजे के बाद शूटिंग शुरू करेंगे, तो 11 बजे से पहले काम शुरू नहीं होता है। दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर बताते हुए अभिनेत्री ने कहा,साउथ में सीन ज्यादा होते हैं। वह फिल्म की स्टोरी बोर्ड में जो तैयार करते हैं, उसे ही फॉलो करते हैं और इतना ही नहीं, वह प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन पर भी उसी प्रक्रिया को लागू करते हैं। दूसरी ओर, बॉलीवुड में कई बार जो योजना बनाई जाती है और जो लागू होता है, उन दोनों में जमीन आसमान का फर्क होता है।

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई हुमा कुरैशी की 'बयान'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म अभिनेत्री हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म 'बयान' को आधिकारिक तौर पर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए चुना गया है। हुमा कुरैशी ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में अपनी फिल्म के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि फिल्म बयान ने उन्हें एक सशक्त महिला किरदार निभाने का मौका दिया, जो न्याय व्यवस्था में बड़ी ताकतों के खिलाफ खड़ी होती है। हुमा ने ऐसी कहानी को पेश करने वाली समर्पित और निडर टीम के साथ काम करने की खुशी भी जताई। कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं पर काम कर चुकी हुमा ने कहा कि फिल्म का विश्व प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के डिस्कवरी सेक्शन में होगाये ऐसा सेक्शन है जिसने जो क्रिस्टोफर नोलन, अल्फोंसो क्वारोन और बैरी जेनकिंस जैसे प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं को दुनिया के सामने पेश किया। फिल्म एक रोमांच से भरी थ्रिलर है। फिल्म निर्देशक विकास रंजन मिश्रा ने कहा, यह एक परिवर्तनशील समाज का साक्षी बनने का मेरा प्रयास है – और उन लोगों के शांत साहस का भी जो अपनी बात कहने का विकल्प चुनते हैं।

टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के डिस्कवरी सेक्शन में मेरी दूसरी फीचर फिल्म, बयान दिखाई जाएगी। ये मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक ऐसा मंच है जहां से कई फिल्ममेकर्स ने अपना सफर शुरू किया। निर्माता ने कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि इसमें एक ग्लोबल अपील है, और टीआईएफएफ इसके लिए एक आदर्श लॉन्चपैड है। एक निर्माता के रूप में, मैं हमेशा एक ऐसी पटकथा की तलाश में रहता हूं जो इससे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए बेहतरीन हो। 'बयान' ने वही किया; मुझे पता था कि हमारे पास कुछ शक्तिशाली है। विकास रंजन मिश्रा के निर्देशन से सजी, बयान इस श्रेणी में शामिल एकमात्र भारतीय फिल्म है। कलाकारों में अनुभवी अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर के साथ-साथ परितोष सैंड, अविजित दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पैरी छाबड़ा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

जेनिफर विंगेट ने सोशल मीडिया पर बताया उनका 'दिल' किसके पास है

मुंबई/एजेन्सी

दिल मिल गए, सरस्वतीचंद्र, बेहद जैसे लोकप्रिय टीवी सीरियल से घर-घर में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने दिल की बात बयां की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक 'बॉर्डर कॉली' (कुत्ते की एक नस्ल) को गले लगाती तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, इसने मेरा दिल जीत लिया है। जेनिफर टेलीविजन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं और उन्हें भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत साल 1995 की फिल्म 'अकेले हम अकेले तुम' से बाल कलाकार के रूप में की थी। इसके बाद वह साल 2002 में लोकप्रिय टेलीविजन सीरियल 'शाका लाका बूम बूम' में नजर आईं। इसके बाद उन्हें 'कसौटी जिंदगी की' में स्नेहा बजाज की भूमिका, 'संगम' में गंगा भाटिया और 'दिल मिल गए' में रिद्धिमा गुप्ता की भूमिका में देखा गया। इन किरदारों ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बनाया।

अभिनेत्री टीवी सीरियल 'सरस्वतीचंद्र' में कुमुद सुंदरी के रोल में दिखीं, इसके बाद 'बेहद' में माया मेहरोत्रा का रोल निभाया और रोमांटिक ड्रामा सीरीज 'बेपनाह' में जोया सिद्दीकी के तौर पर दिखीं। अभिनेत्री को आखिरी बार छोटे पर्दे पर, शिविन नारंग और आशीष चौधरी के साथ 'बेहद 2' में देखा गया था। 40 वर्षीय अभिनेत्री ने वेब सीरीज 'कोड एम' से अपना ओटीटी डेब्यू किया था। 2024 में आई ओटीटी सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' में भी वो दिखी थीं। शो को अनिरुद्ध राजदेरकर ने निर्देशित किया था। शो की कहानी अनुष्का नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। जो एक स्पष्टवादी, ईमानदार और बुद्धिमान वकील है, सीरीज में पिता की प्रतिष्ठित लॉ फर्म में वो अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो जेनिफर जल्द परिणीति चोपड़ा के साथ मिस्ट्री थ्रिलर में नजर आएंगी। इसके निर्देशक और लेखक 'रेंसिल डिसिल्वा' हैं। ये थ्रिलर नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा। इस शो का निर्माण 'महाराज' के निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा और अल्केमी प्रोडक्शंस की सपना मल्होत्रा कर रही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 26-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

इंसान का जीवन एक तिजोरी के समान है। इसमें सद्गुण रूपी आभूषण रखना चाहिए। दुर्गुणों का कचरा भरने की मूर्खता हरगिज भी नहीं करनी चाहिए। कुटिलता और कृपणता ऐसे दुर्गुण हैं जो जीवन में सरलता और उदारता के गुण को प्रकट नहीं होने देता। जहाँ मायाचार का सेवन नहीं है वहाँ मधुरता और सरसता का वास है। सरल व्यक्ति ही लोकप्रिय और भगवान की कृपा का पात्र बनता है। कंजूस व्यक्ति उसे माना जाता है जिसके पास प्रचुर मात्रा में शक्ति और साधन है फिर भी उपयोग और उपभोग के मौके दाएं बाएं झांकता है व्यय नहीं करने के नए नए बहाने खोजता है और अपनी महानता को झूठे आदर्शों और सिद्धांतो के सहारे प्रकट करता है केवल संग्रह करने की नित नूतन योजना बनाता है।

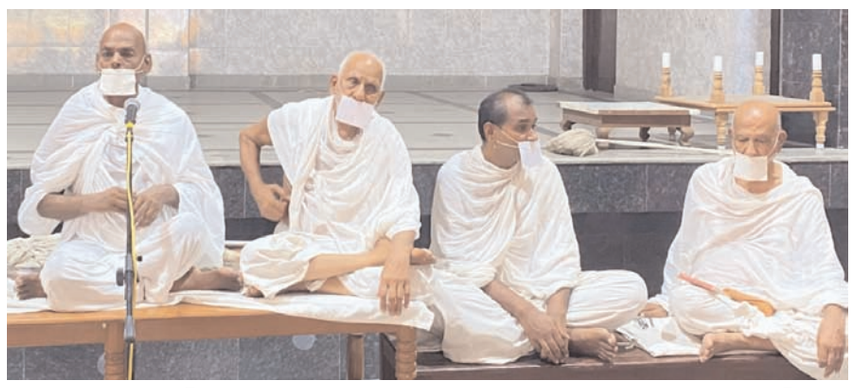

भूख से ज्यादा खाना, जहर के समान : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि अनंत जन्मों के आत्मा के साथ लगे हुए कर्मों को तपस्या के माध्यम से पल भर में समाप्त किया जा सकता है। तपस्या अपने आप में रामबाण औषधि है। उन्होंने आचार्य सुदर्शन लाल जी महाराज की 21 उपवास अभिनंदन समारोह को संबोधित करके कहा कि तपस्या से आत्मा निर्मल बनती है, शरीर निरोग होता है, विचार पवित्र बनते हैं। सभी धर्म ने तपस्या के स्वरूप को किसी ने किसी ढंग से स्वीकार किया है। महापुरुषों ने स्वयं तपस्या करके आदर्श प्रस्तुत किया है। मुनि कमलेश ने बताया कि तपस्या करना सबसे कठिन है। उससे भी ज्यादा कठिन है भोजन पर बैठकर संयम और साधना नियंत्रण करना। संसार में भूखे मरने वालों की संख्या कम है, ज्यादा खाकर मरने वालों की संख्या ज्यादा है। भूख से ज्यादा खाना अमृत जैसा भोजन भी जहर के रूप में परिवर्तन हो जाता है।

उन्होंने कहा कि तपस्या से अनेक प्रकार की सिद्धियां प्राप्त होती है, मन में उठने वाली इच्छाओं की तरंगों पर अंकुश लगाना सबसे महान तपस्या है। जैन संत ने कहा कि आज का विज्ञान और डॉक्टर भी तपस्या की शक्ति का लोहा मान रहा है। आत्मा कुंदन बनती है कैंसर जैसे असाध्य रोगों को तपस्या माध्यम से मुक्ति पाई जा सकती है। प्राज्ञ जैन संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता पारस लुणावत, मानक चंद खाबिया, नवीन बोहरा, विजय तातेड, सुभाष चंद चौरड़िया ने 21 गौ माता को अभय दान देने का संकल्प लिया। संघ के महामंत्री डॉ. संजय पिंचा ने संचालन किया।

नियमों का पालन करने वाले ही सच्चे श्रावक : वीरेंदमुनि मा सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सैदापेट स्थित एस एस जैन स्थानक में विराजित परम पूज्य गुरुदेव श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने सुखविपाक सूत्र वाचन करते हुए बताया कि 12व्रत के नियम का पालन करने वाले ही सच्चे श्रावक कहलाते हैं। शुक्रवार को अपने प्रवचन में गौशालक के विषय में उन्होंने कहा कि गौशालक ने भगवान महावीर स्वामी से ज्ञान पाया और फिर उनके खिलाफ ही प्रचार करने लगे उनकी आलोचना करने लगे। गौशालक के दस लाख अनुयायी थे और भगवान के एक लाख उनसट हजार अनुयायी थे। गौशालक को पूरा ज्ञान था पर वो विभंग ज्ञान था और बाद में जब खुद की मृत्यु निकट आई तो उसे पछतावा हुआ। उसने विचार किया कि मैंने भगवान का कितना गलत प्रचार किया और अपने ही गुरुदेव को अपमानित किया। आगे

गुरुदेव ने मृषावाद व्रत का उदाहरण देते हुए कहा कि जो व्यक्ति बार बार झूठ बोलता रहता हैं तो बाद में उसकी सच्ची बातों पर भी कोई विश्वास नहीं करेगा और झूठ बोलने वाले,अपशब्द बोलने वाले अगले जन्म में या तो नरक, तिर्यच में जाते हैं या फिर गूंगे जन्म लेते हैं। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने संचालन किया।

हार को जीत में बदलने का मंत्र गुरु ही देता है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी म. सा. के सान्निध्य में शुक्रवार को आचार्यश्री आनंदऋषिजी म. सा. की जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. समकित मुनिजी ने कहा कि पूज्य श्री आनंदऋषिजी म.सा. एक ऐसे तपस्वी थे जिन्होंने जनमानस के हृदय में स्थान बनाया। उन्होंने बताया कि जब आनंदऋषिजी ने दीक्षा ली और अपने गुरु रतनऋषिजी म.सा. के साथ विहार पर निकले, तब एक स्थान पर उनके पास समय था और वहाँ की पुस्तकालय को व्यवस्थित करने का विचार उन्होंने किया। जब यह बात

उनके गुरु को पता चली, तो उन्होंने प्रशंसा नहीं की बल्कि उन्हें डाँट लगाई। यही सच्चे गुरु की पहचान होती है। मुनिश्री ने आगे कहा, 'गुरु शत्रु के समान होते हैं। वे चादर नहीं उड़ाते, बल्कि थप्पड़ मारकर जगाते हैं। शिष्य को सुलाने के लिए नहीं, जगाने के लिए गुरु की आवश्यकता होती है। विजय के बाद तो हर कोई जश्न मनाना जानता है, पर पराजय के बाद क्या करना चाहिए, यह केवल गुरु ही सिखा सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि पूज्य आनंदऋषिजी म.सा. इतने तपस्वी और तेजस्वी थे कि छोटी सी उम्र में ही धर्म का हाथ थाम लिया। यदि उनकी माता उन्हें संघ के पास न ले जाती, तो यह कोहिनूर हमें नहीं मिलता। उन्होंने श्रमण संघ को धर्म से जोड़ने में बड़ा योगदान दिया। श्रमण संघ की उदारता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संघ हमेशा किसी का भी चातुर्मास करवाने के लिए तत्पर रहता है, जबकि अन्य स्थानों पर केवल नाम के लिए कार्य किए जाते हैं। मुनिश्री ने कहा, अपना नाम ऊँचा करने के लिए ऐसे कार्य मत करो जिससे संघ को सहना पड़े। महाराष्ट्र के लोगों को पूज्य श्री की सेवा करने का अवसर मिला। इस अवसर पर शुक्रवार को पद्मावती एकासना का आयोजन भी हुआ, जो हर शुक्रवार को होता है। वहीं आगामी रविवार, 27 अगस्त को विराट भिक्षु दया कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सेवाकार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शुक्रवार को श्रमण संघीय आचार्य सम्राट श्री आनंद ऋषिजी महाराज साहब के 125वें जन्मजयंती पर यहां के श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबतूर)के तत्वावधान में आंगनवाड़ी केंद्र पर दरियाँ,चद्दरों व अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा, संस्थापक राजेश कुमार गादिया आदि की उपस्थिति में सेवा कार्य किया गया।

सम्यक दर्शन का एक स्पर्श भी भव को घटा देता है : पंन्यास विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न पंन्यासश्री विमल पुण्यविजयजी ने शुक्रवार को आयोजित धर्मसभा में समकित के '67 बोल' के अंतर्गत सम्यक्त्व के रहस्यमय सूत्रों की गहन विवेचना की। उन्होंने कहा कि समकित एक ऐसा गुण है जो जीव के मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने बताया कि सम्यक दर्शन के लिए सबसे पहली पात्रता सद्दहणा यानी श्रद्धा, विश्वास है। समकित का दीपक तभी प्रज्वलित होता है जब जीव नव तत्त्व और छः द्रव्यों को यथार्थ रूप से स्वीकार करता है। पुद्गल के स्वरूप को जानने से राग-द्वेष का विनाश होता है।

प्रवचन में उन्होंने स्पष्ट किया कि जीव में सम्यक्त्व स्थापित हो जाए तो वह भव-भ्रमण से मुक्ति की ओर अग्रसर हो सकता है। क्रोध, मान, माया, लोभ जैसे कषाय के आवेग क्षम्य हैं, परंतु उनकी वृत्तियाँ सम्यक दर्शन को बाधित कर देती हैं। शास्त्रकार कहते हैं शुद्ध चारित्र आज बचा ही नहीं है। शुद्ध चारित्र पालन करने का कितना भी प्रयास करो, फिर भी कहीं न कहीं दोष तो लगेगा ही। सद्गुरु के सान्निध्य में आलोचना लेने से आत्मा को शुद्ध किया जा सकता है। समकित एक ऐसा गुण है जो कम भवों में मोक्ष के लक्ष्य को पक्का कर सकता है। उन्होंने कहा आराधना ज्यादा न हो तो चलेगा परंतु देव, गुरु, धर्म की आशातना मत करो। आज तक हमारा मोक्ष इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि देव, गुरु, धर्म की आशातना हुई है। आत्मा में दुर्भाव बिल्कुल नहीं आना चाहिए। अपने गुणस्थानकों को टिकाए रखने का प्रयत्न करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार सम्यक दर्शन प्रकट हो जाए, तभी भवों की गणना शुरू होती है। देव, गुरु और धर्म पर दृढ़ श्रद्धा का एक स्पर्श भी भव को पुद्गल के आधे जितना कम कर देता है। प्रवचन के अंत में पंन्यासश्री ने प्रेरणादायक रूप से कहा, भविष्य की चिंता छोड़ वर्तमान में जीने वाला व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में शांत और सुखी होता है। काल केवल एक ही है वर्तमान काल।

जिनशासन के एक वीर सैनानी थे आचार्यश्री आनंदऋषि : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित आचार्यश्री आनंदऋषिजी की जयंती के मौके पर आयोजित गुणानुवाद सभा को संबोधित करते हुए साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि आचार्य आनंद ऋषि जी जिन शासन के एक वीर सैनानी थे, जिन्होंने बाल्यकाल में संयम स्वीकार कर जैन आगम और अनेक दर्शनों का गहन अध्ययन और शोध कर हमें ज्ञान का अमृत दिया। उन्होंने कहा कि प्रभु की वाणी हम में जोश और उमंग भरती है। प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की क्षमता और शक्ति होती है। मात्र कर्मों की दीवार ही हमें सिद्ध बनने से रोकती है।

प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि अनंत ज्ञान, दर्शन, सुख और बल की धनी हमारी आत्मा है। प्रभु की वाणी से साक्षात्कार कर सोए हुए शौर्य को जगाना है। हम स्वयं को हीन नहीं माने। स्वयं को हीन मानना स्वयं का अपमान है। हम पुरुषार्थ करें और कर्म आवरण को हटाएं। निराशा और नकारात्मक सोच ही हमारी बाधक है। प्रभु का शासन पाकर निराशा में जीना गलत है। प्रवचन सभा में तमिलनाडु जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष पारसमल गादिया भी उपस्थित थे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए आचार्य आनंद ऋषि जी के जीवन का गुणानुवाद किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगलपाठ दिया।

धर्म का प्रारंभ दान से ही होता है: आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

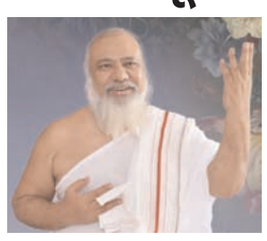

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में अपने प्रवचन में आचार्यश्री ने शुक्रवार को सकल संघ को बेसते महीने का रिद्धि सिद्धि दायक महामांगलिक श्रवण करवाया। मांगलिक के पश्चात आचार्यश्री ने कहा कि आहार संज्ञा की आसक्ति को तोड़ने के लिए तप धर्म है। भय संज्ञा की आसक्ति को तोड़ने के लिए भाव धर्म, शरीर संज्ञा की आसक्ति को खत्म करने के लिए शील धर्म व परिग्रह की संज्ञा को खत्म करने के लिए दान धर्म बताया गया है। दान, धर्म का उद्देश्य ही आत्मा को परिग्रह की आसक्ति से मुक्त करना है। दान के साथ धन की आसक्ति से मुक्ति नहीं होती तो वह वास्तविक दान नहीं कहलाएगा। उन्होंने कहा कि यश, कीर्ति व नाम की लालसा से किया गया दान वास्तविक दान नहीं है। ऐसे दान से भव मुक्ति नहीं हो सकती। धन की आसक्ति को तोड़ने सुपात्र में दिया दान ही मोक्ष का साधन बनता है। धर्म का प्रारंभ दान से ही होता है। दान से अधिक कठिन शील धर्म का पालन करना है। यहां इंद्रियों की सुखों की आसक्ति को तोड़ना है। इसी प्रकार शील में तप धर्म कठिन है। तप का सीधा प्रभाव शरीर पर पड़ता है। तप से भाव धर्म कठिन है। भाव का संबंध मन से है। जो व्यक्ति आसपास विद्यमान आसक्तियों को नहीं छोड़ सकता वह कठिन तप नहीं कर सकेगा। आचार्य श्री ने बताया कि भगवान ने दान, शील, तप और भाव चार प्रकार का धर्म बताए है।

उसमें भी भाव का महत्व सबसे अधिक है। जिस प्रकार खाने में सभी मसालों में से नमक का महत्व ऊपर है, उसी तरह दान, शील, तप का महत्व भी तभी है, अगर उसमें भाव जुड़े हुए हो।

साधु साध्वियों की विहार सुरक्षा व वैयावच्च सेवा पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु के संस्थापक तेजराज गुलेच्छा के नेतृत्व में साधु साध्वियों की विहार सुरक्षश व वैयावच्च को सुगम बनाने हेतु समाज के विभिन्न स्वयंसेवकों की बैठक उनके निवास पर आयोजित हुई जिसमें तेजराज गुलेच्छा ने साधु साध्वियों के विहार, सुरक्षा व वैयावच्च व्यवसथा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विहार धाम के निर्माण सहित अन्य कार्यक्रमों की रूप रेखा प्रस्तुत की। उपस्थित सदस्यों ने विहार सुरक्षा, विहार धाम निर्माण व क्षेत्रानुसार सर्वे के बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस बैठक में कैलाश संखलेचा सुनील लोढ़ा, चम्पालाल दांतेवाडिया, अरविंद ओस्तवाल, भागचंद गांधीमुथा, लालचंद कबदी, हितेश तुलेच्छा वोरा, नरेंद्र सिंघवी, किरण गादिया, पंकज बाफना, विकाश खटोड़, नीलेश मेहता, प्रकाश बोहरा, राकेश दलाल, महावीर कोठारी आदि सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

सूरज को दिल में पाला है

हमने सूरज को दिल में पाला है,
इसलिए गाँव में उजाला है ।

राह में जब भी लड़खड़ाए हम,
जुगनुओं ने हमें सँभाला है ।

एक मोती निकालने के लिए,
उम्रभर दरिया को खँगाला है ।

वो किसी एक का नहीं होता ,
जिसने हर शै में खुद को ढाला है ।

बाँटकर सोम क्या मिला 'नवरंग'
हाथ में आज विष का प्याला है ।

* माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

जीवन का सत्य है कि जहां अपेक्षा, वहां क्रोध : साध्वी मयूरयशाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने धर्मरत्न प्रकरण का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों के अंतर्गत क्रोध त्याग के बारे में बताते हुए कहा कि व्यक्ति की अपेक्षा टूटे तो उसे क्रोध आता है, सामने वाला अपनी बात नहीं माने तो क्रोध आता है। जहां अपेक्षा ज्यादा वहां क्रोध भी ज्यादा। कोई भी कार्य क्रोध से नहीं, पर प्रेम से होता है। क्रोध से अगर काम हो भी जाए तो भी दुनिया का प्रेम उस व्यक्ति को नहीं मिलता है। अगर हमें क्रोध दूर करना है तो अपेक्षा कम करनी होगी। अपेक्षा बढ़े तो क्रोध भी बढ़ता है। 'मेरा सो सच्चा नहीं, पर जो सच्चा सो मेरा' यह नीति अपनानी चाहिए। शांतसुधारस ग्रंथ का वर्णन करते हुए साध्वी चैतन्ययशा श्रीजी ने अशरण भावना की बात करते हुए कहा कि संपत्ति से वस्तु मिल सकती है पर सुख नहीं, आंख का चश्मा मिल सकता है पर आंख नहीं।

तमिल प्रदेश में अठाई तप के अभिलेख

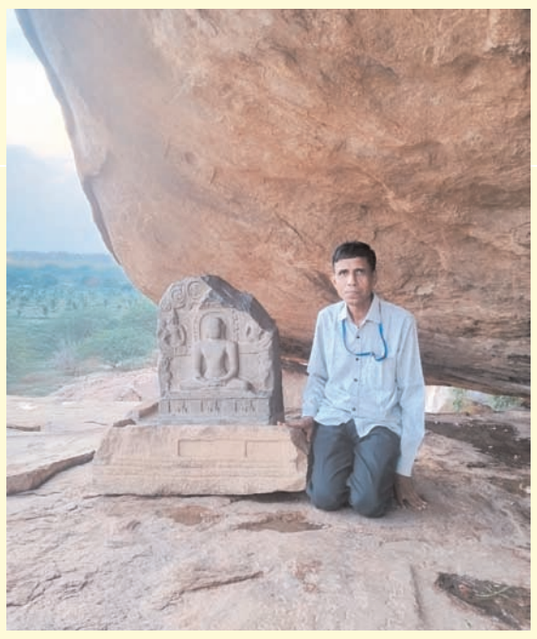

डॉ. दिलीप धींग

जैन धर्म में तप का विशेष महत्व है। प्राकृत भाषा में तप को तव, तो तमिल में तवम् कहा जाता है। पहली सदी के जैन कवि तिरुवल्लुवर ने तवम्' शीर्षक से तिरुकुरल के 27वें अध्याय में तप की महिमा पर दस कुरल लिखे हैं। जैन संत इलंगो अडिगल द्वारा रचित तमिल के प्रथम महाकाव्य सिलप्पदिकारम' सहित जैनों द्वारा रचित प्राचीन तमिल साहित्य में तप का उल्लेख किसी न किसी रूप में मिल ही जाता है।

साहित्य के अलावा शिलालेखों में भी तप का उल्लेख मिलता है। संलेखना भी तप का ही एक प्रकार है। तमिलनाडु में दक्षिण आरकाट में जिंजी तालुक में सिंगावरम ग्राम के पास प्रसिद्ध जैन केन्द्र तिरुनादरकुंड्रम में संलेखना तप के पाँचवीं और दसवीं सदी के दो शिलालेख मिलते हैं। दसवीं सदी का ही एक संथारा तप अभिलेख इरोड़ जिले में स्थित विजय मंगलम जिनालय में मिलता है। इनके अलावा तमिलनाडु में सैकड़ों की संख्या में जैन गुफाएँ और पाषाण की साधना शैय्याएँ हैं। इन गुफाओं में तथा शैय्याओं पर भी साधक विभिन्न प्रकार की तपस्याएँ करते थे। जैन आगम ग्रंथों में वर्णित अनेक प्रकार की तपस्याओं में उपवास, बेला, तेला, चोला, पचोला आदि के साथ अठाई (आठ उपवास) का भी महत्व है। पर्युषण के आठ दिनों में तो अनगिनत तपस्वी अठाई करते हैं। चातुर्मास के अन्य दिनों में भी अनेक तपस्वी अठाई करते हैं। तमिल प्रदेश के कुछ प्राचीन अभिलेखों में अठाई का उल्लेख एक रोचक तथ्य है।

अठाई के दो अभिलेख मदुरै तेनी राजमार्ग पर मुत्तुपट्टी नामक गाँव के पास कुरंदी पहाड़ी पर मिलते हैं। ऐतिहासिक महत्व की गुफाओं और साधना की प्रस्तर शैय्याओं से युक्त इस पहाड़ी के दक्षिणी भाग में विशाल शिलाखंड पर तीर्थंकर की दो छवियाँ उत्कीर्ण हैं। नौवीं सदी की इन नयनाभिराम मूर्तियों के नीचे वट्टेलुत्तु लिपि में लिखे दो अभिलेख हैं। दोनों ही अभिलेखों की शुरुआत स्वस्तिश्री' शब्द से होती है। दोनों ही अभिलेखों में बताया गया है कि तीर्थंकर छवियों को उत्कीर्ण कराने की प्रेरणा देने वाले संत अष्टोपवासी (अठाई तप के तपस्वी) थे। अभिलेखों के अनुसार यहाँ अवियूर के पास कुरंदी ग्राम में जैनों द्वारा श्री वल्लभ पेरुम्पल्ली नाम से शिक्षण संस्थान चलाया जाता था। ग्राम के नाम से उसे कुरंदीपल्ली भी कहा जाता था। कुरंदी के संत अष्टोपवासी पदारर के शिष्य माघनंदी पेरियार' की प्रेरणा से कुरंदीपल्ली के विद्यार्थियों ने चट्टान पर पहली मूर्ति उत्कीर्ण करवाई।

दूसरे अभिलेख में बताया गया है कि संत गुणसेनदेवर के शिष्य अष्टोपवासी कनकवीर की प्रेरणा से कीलकुयिकुडी ग्राम के निवासियों यह मूर्ति अंकित करवाई। तेनी जिले के उत्तमपालयम में भी एक शिलालेख आठ उपवास (अठाई) का महत्व बताता है। अभिलेख के अनुसार अभिलेख के साथ अंकित तीर्थंकर छवि अष्टोपवासी कनकवीर के शिष्य अरिष्टनेमी पेरियार ने उत्कीर्ण करवाई। इन उल्लेखों से पता चलता है कि समाज में तपस्वी की प्रेरणा और आशीर्वाद को काफी महत्व दिया जाता था। ये उल्लेख आठ उपवास (अठाई) और आठ उपवास करने वाले (अष्टोपवासी) का महत्व भी दर्शाते हैं। इसीलिए आठ उपवास के तपस्वी के नाम के साथ उपाधि के रूप में अष्टोपवासी' शब्द का प्रयोग शिलालेखों में भी किया गया है। अष्टोपवासी तपस्वियों के लिए कहा जा सकता है कि उन्होंने लम्बे समय तक अठाई की तपस्या की होगी। यह भी संभव है कि उन्होंने आठ दिन निरंतर उपवास और एक दिन आहार करके पुनः अठाई की कोई श्रृंखला पूरी की होगी। लगभग ग्यारह सौ वर्ष पहले ज्ञान, शिल्प और कला के साथ तप और अठाई तप के शिलालेखीय सन्दर्भ काफी महत्वपूर्ण है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.